प्रधानमंत्री मोदी 8 मार्च को पहले राष्ट्रीय रचनाकार पुरस्कार प्रदान करेंगे

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

लोकशक्ति

RNI Regn. No.7789/1964

महाशिवरात्रि : बाबा मंदिर के शिखर पर पंचशूल स्थापित, आज बाबा भोले बनेंगे दूल्हा

वर्ष-60 › अंक -72 रायपुर शुक्रवार 8 मार्च 2024 शुक्लपक्ष विक्रम संवत 2080 पृष्ठ 8 › मूल्य : 2 रू डाक पंजीयन : C.G/RYP DN/71/2023-25

मोदी संग शहद के व्यापारी नाजिम ने ली सेल्फी

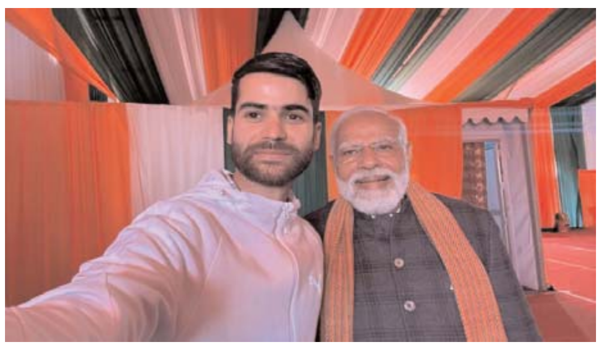

एजेंसी। प्रधानमंत्री ने श्रीनगर में एक रैली के दौरान नाजिम नाम के युवक के साथ सेल्फी ली. उन्होंने इसे X पर पोस्ट किया और नाजिम को 'स्वीट रिवॉल्यूशन' का लीडर बताया. ऐसे में Local-18 ने नाजिम से खुद ही उनके काम के बारे में पूछ लिया. **कौन है नाज़िम?** - नाज़िम पुलवामा के सांबोरा गांव के रहने वाले हैं. वो शहद का काम करते हैं. उन्होंने अपने काम और उस योजना के बारे में भी प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को बताया, जिसकी वजह से उन्हें शहद कारोबारी के रूप में खास पहचान मिली. नाज़िम ने बताया कि जब वो साल 2018 में 10वीं के छात्र थे तब उन्होंने अपने घर की छत पर दो बक्सों से साथ मधुमक्खी पालन का बिजनेस शुरू किया था. स्कूल से आने के बाद वो इसी काम में मगन रहते थे. धीरे-धीरे उन्होंने इस काम की जानकारी इंटरनेट से जुटाई और काम बढ़ाने के बारे में सोचा.

कैसे बढ़ाया बिजनेस - नाजिम ने कहा कि साल 2019 में उन्हें इसी काम को आगे बढ़ाने के बारे में सोचा, लेकिन कैसे बढ़ेगा ये पता नहीं था. साल 2019 में, मैं सरकार के पास गया और मधुमक्खियों के 25 बक्से के लिए 50% सब्सिडी मुझे मिली. उन 25 बक्सों से करीब 25 किलो शहद निकला. पहली बार इतने शहद को बेचने के लिए उन्हें कोई मार्केट भी नहीं पता था. फिर वो गांव-गांव गए शहद बेचा. इससे उन्हें पूरे 60 हजार रुपए की कमाई हुई. घर वाले भी खुश हो गए।

पीएम मोदी श्रीनगर में व्यापार मेले का भ्रमण करते हुए

ये वो नया जम्मू-कश्मीर है, जिसका इंतजार हम सभी को कई दशकों से था- प्रधानमंत्री मोदी

विपक्ष ने 370 के नाम से देश को गुमराह किया

एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने 7 मार्च को जम्मू-कश्मीर के श्रीनगर में विकसित भारत विकसित जम्मू कश्मीर कार्यक्रम को संबोधित किया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि इस जम्मू-कश्मीर का इंतजार हम सभी को दशकों से था। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा, 'ये वो नया जम्मू-कश्मीर है, जिसका इंतजार हम सभी को कई दशकों से था। ये वो नया जम्मू-कश्मीर है, जिसके लिए डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी ने बलिदान दिया था। इस नए जम्मू-कश्मीर की आंखों में भविष्य की चमक है। इस नए जम्मू-कश्मीर के इरादों में चुनौतियों को पार करने का हौसला है। आपके ये मुस्कुराते चेहरे देश देख रहा है, और आज 140 करोड़ देशवासी सुकून महसूस कर रहे हैं।'

प्रधानमंत्री मोदी ने कहा, 'आज जम्मू-कश्मीर विकास की नई ऊंचाइयों को छू रहा है, क्योंकि जम्मू-कश्मीर आज खुलकर के सांस ले रहा है। बन्दिशों से ये आजादी आर्टिकल 370 हटने के बाद आई है। दशकों तक सियासी फायदे के लिए कांग्रेस और उसके साथियों ने 370 के नाम पर जम्मू-कश्मीर के लोगों को गुमराह किया, देश को गुमराह किया। 370 से फायदा जम्मू कश्मीर को था, या कुछ राजनीतिक परिवार वही इसका लाभ उठा रहे थे, जम्मू-कश्मीर की अवाम ये सच्चाई जान चुकी है कि उनको गुमराह किया गया था। कुछ परिवारों के फायदे के लिए जम्मू-कश्मीर को जंजीरों में जकड़ दिया गया था। आज 370 नहीं है, इसीलिए जम्मू-कश्मीर के युवाओं की प्रतिभा का पूरा सम्मान हो रहा है, उन्हें नए अवसर मिल रहे हैं।

केन्द्रीय कर्मचारियों के डीए में 4 प्रतिशत बढ़ोतरी को मिली मंजूरी

एजेंसी।

केंद्र सरकार के लाखों कर्मचारियों के लिए खुशखबरी है। मोदी सरकार की ओर से कैबिनेट मीटिंग में डीए में 4 प्रतिशत की बढ़ोतरी को मंजूरी दे दी गई है। ये डीए बढ़ोतरी 1 जनवरी,2024 से लागू होगी और इस सीधा फायदा केंद्र और मौजूदा कर्मचारियों और पेंशनधारकों को होगा। इस बढ़ोतरी के बाद केंद्रीय कर्मचारियों का कुल डीए बढ़कर 50 प्रतिशत हो गया है, जो कि पहले 46 प्रतिशत था। यह इजाफा 7वें केंद्रीय वेतन आयोग की सिफारिशों के आधार पर स्वीकृत फॉर्मूले के अनुसार है। आखिरी बार डीए में बढ़ोतरी अक्टूबर 2023 में सरकार द्वारा की गई थी।

प्रधानमंत्री ने शंकराचार्य पर्वत के दर्शन किए

एजेंसी। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने जम्मू-कश्मीर की अपनी यात्रा के दौरान भव्य शंकराचार्य पर्वत को दूर से नमन किया। प्रधानमंत्री ने एक्स पर पोस्ट किया: थोड़ी देर पहले श्रीनगर पहुंचने पर भव्य शंकराचार्य पर्वत को दूर से देखने का अवसर मिला।शंकराचार्य हिल श्रीनगर के पास स्थित एक प्रमुख हिंदू धार्मिक स्थल है। इस सुंदर पहाड़ी पर शिव मंदिर स्थित है जिसे शंकराचार्य मंदिर के नाम से भी जाना जाता है। खास बात ये है कि 8वीं शताब्दी के दौरान महान भारतीय दार्शनिक व चिंतक आदि शंकराचार्य ने तपस्या की थी।

ईडी की शिकायत पर कोर्ट ने केजरीवाल को भेजा समन, 16 मार्च को पेशी

लोकशक्ति। संवाददाता।

कथित दिल्ली शराब नीति मनी लॉन्ड्रिंग मामले में समन पर पेश नहीं होने को लेकर ईडी ने सीएम अरविंद केजरीवाल के खिलाफ फिर से शिकायत की है। दिल्ली की राउज एवेन्यू कोर्ट ने समन का पालन नहीं करने के लिए ईडी की दूसरी शिकायत पर अरविंद केजरीवाल को नया समन जारी किया है। कोर्ट ने केजरीवाल को 16 मार्च को पेश होने को कहा है। प्रवर्तन निदेशालय ने पहले भी सीएम केजरीवाल के खिलाफ समन के का पालन न करने पर कोर्ट का दरवाजा खटखटाया था। शिकायत भी दर्ज हुई थी।

प्रवर्तन निदेशालय ने मनी लॉन्ड्रिंग मामले की जांच में बार-बार समन का पालन न करने पर मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के खिलाफ एक नई शिकायत दिल्ली कोर्ट में दी। ईडी ने कहा कि आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक ने चार से आठ समन का पालन नहीं किया है। जिसके बाद एसीएमएम दिव्या मल्होत्रा ने ईडी की शिकायत को सूचीबद्ध कर लिया और सात मार्च को सुनवाई के लिए तारीख निर्धारित की थी। जानकारी के लिए बता दें कि दिल्ली शराब नीति मामले में मनी लॉन्ड्रिंग की जांच के संबंध में अरविंद केजरीवाल को ईडी ने आठ समन जारी किए हैं। इससे पहले ईडी ने पहले से तीसरे समन पर पेश नहीं होने पर लोकल कोर्ट का रूख किया था। जिसको लेकर कोर्ट में 16 मार्च को मामले पर सुनवाई होगी।

केजरीवाल के खिलाफआठ समन हो चुके हैं जारी – दिल्ली शराब घोटाले में कथित मनी लॉन्ड्रिंग के आरोप लगे हैं और इसी मामले में पूछताछ के लिए ईडी ने दिल्ली मुख्यामंत्री अरविंद केजरीवाल को समन जारी किया है। इससे पहले 22 फरवरी को भी ईडी ने केजरीवाल को पूछताछ के लिए समन भेजा था। लेकिन केजरीवाल सातवें समन पर भी ईडी के सामने पेश नहीं हुए थे। इससे पहले बीती साल 2 नवंबर, 21 दिसंबर और इस साल 3 जनवरी, 18 जनवरी, 2 फरवरी, 14 फरवरी और 22 फरवरी और 3 मार्च को ईडी केजरीवाल को पूछताछ के लिए समन जारी कर चुकी थी।

उप्र के सीएम योगी आदित्यनाथ को बम से उड़ाने की धमकी देने वाला रायपुर से गिरफ्तार

लोकशक्ति उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को बम से उड़ाने की धमकी देने वाले आरोपित कमलेंद्र सिंह (35) को गिरफ्तार कर लिया गया है। धमकी देने वाला युवक टिकरापारा थाना क्षेत्र के संजय नगर का रहने वाला है। वह आइटी मार्केटिंग में काम करता है। आरोपित थ्रो-बाल का खिलाड़ी है। लखनऊ और रायपुर पुलिस टीम की मदद से उसे गिरफ्तार किया गया है। उल्लेखनीय है कि शनिवार रात को उत्तरप्रदेश सुरक्षा मुख्यालय के सीयूजी नंबर पर एक अज्ञात शख्स ने फोन किया और सीएम योगी बम से उड़ाने की धमकी दी गई थी।

भाजपा में शामिल हुई केरल के पूर्व सीएम करुणाकरण की बेटी पद्मजा

एजेंसी। लोकसभा चुनाव से पहले कांग्रेस को एक के बाद एक झटका लग रहे हैं. अब केरल के पूर्व मुख्यमंत्री के करुणाकरण की बेटी पद्मजा वेणुगोपाल ने कांग्रेस छोड़ बीजेपी का दामन थाम लिया. गुरुवार को राजधानी दिल्ली स्थिति बीजेपी मुख्यालय में प्रकाश जावड़ेकर ने उन्हें पार्टी की सदस्यता दिलाई. पद्मजा बिना किसी शर्त के बीजेपी में शामिल हो गई. उसके बाद उन्होंने कांग्रेस पर कई आरोप लगाए. वह काफी लंबे समय से पार्टी से नाराज चल रहीं थीं. ऐसा माना जा रहा है कि बीजेपी में शामिल होने के बाद उन्हें लोकसभा चुनाव के लिए पार्टी की ओर से टिकट मिल सकता है. बता दें कि पिछले कुछ महीनों में कांग्रेस के कई बड़े नेता बीजेपी में शामिल हुए हैं. **कांग्रेस छोड़ने की बताई ये वजह** - पद्मजा ने कांग्रेस छोड़ने की वजह का भी खुलासा किया. उन्होंने कहा कि उन्हें ऐसा करने के लिए मजबूर किया गया. पद्मजा वेणुगोपाल ने कहा कि, 2011 के विधानसभा चुनाव में कांग्रेस नेताओं की वजह से मुझे हार का सामना करना पड़ा उन्होंने कहा कि मैं जानती हूं कि किसने मेरे खिलाफ काम किया. मैंने पार्टी में इसके बारे में शिकायत की, लेकिन इस पर कोई एक्शन नहीं लिया गया. उन्होंने कहा कि कांग्रेस के कई नेताओं ने मेरा फोन तक नहीं उठाया।

श्री राम का नाम लेकर चल रहा प्रदेश,

अपराधियों का हुआ राम नाम सत्य : योगी

लोकशक्ति। संवाददाता।

हमारे अन्नदाता किसान जब एक-दूसरे से मिलते हैं तो राम-राम कहते हैं। आज रामलला भी अयोध्या आ गए हैं और प्रदेश के अपराधियों का राम नाम सत्य हो गया है। उत्तर प्रदेश में सभी कार्य श्री राम के नाम पर हो रहे हैं, इसलिए किसानों को चिंता करने की जरूरत नहीं है। क्योंकि ये डबल इंजन की सरकार है। यह वही उत्तर प्रदेश है जहां 2017 से पहले न किसान सुरक्षित था, न फसल, न बिजली, न किसान का सम्मान, न बीज, न खाद-पानी। लेकिन आज प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में सरकार आपके हितों का पूरा ख्याल रखने के लिए सदैव तत्पर है।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने गुरुवार को गोमती नगर स्थित इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान में किसानों को सिंचाई के लिए मुफ्त बिजली उपलब्ध कराने के अवसर पर 'संकल्प की सिद्धि' कार्यक्रम को संबोधित करते हुए ये बातें कहीं।

मुख्यमंत्री ने प्रदेश भर से आए किसानों और किसान संघ के सदस्यों को संबोधित करते हुए कहा कि आबादी के हिसाब से देश के सबसे बड़े प्रदेश के अन्नदाता किसानों के लिए आज का दिन महत्वपूर्ण है। जब डबल इंजन सरकार पीएम के विजन को जमीन पर लाने के लिए किसान बिल माफी के इस कार्यक्रम को मूर्त रूप देने जा रही है। इसके लिए प्रदेश के सभी अन्नदाताओं को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं। उन्होंने कहा कि आज राज्य के वित्त मंत्री, कृषि मंत्री, ऊर्जा मंत्री, मुख्य सचिव, बिजली विभाग के अधिकारी, किसान संघ के नेता सभी यहां मौजूद हैं। ऐसा कम ही देखने को मिलता है।

सीएम योगी ने कहा कि प्रधानमंत्री की मंशा है कि अन्नदाता किसानों को किसी के सामने हाथ फैलाने की जरूरत न पड़े। पीएम कुसुम योजना का उद्देश्य है कि अन्नदाता किसान आत्मनिर्भर बनें और 2047 में जब भारत एक विकसित राष्ट्र बने तो हमारे किसान भी खुश रहें। जब तक हमारा अन्नदाता खुश नहीं होगा, भारत खुशहाल नहीं हो सकता। मुख्यमंत्री ने कहा कि डबल इंजन सरकार किसानों के हित को सर्वोपरि रखने वाली सरकार है। 2017 में सरकार बनने के बाद हमने सबसे पहला काम 86 लाख किसानों का 36 हजार करोड़ रुपये का कर्ज माफकिया। मुख्यमंत्री ने किसानों को महाशिवरात्रि और होली की अग्रिम शुभकामनाएं दीं।

भारत की सुरक्षा पहले से कहीं अधिक सशक्त व भारतीयता के साथ मजबूत : राजनाथ सिंह

लोकशक्ति। संवाददाता।

रक्षा मंत्री श्री राजनाथ सिंह ने कहा है कि भारत का रक्षा तंत्र आज पहले से कहीं अधिक सशक्त है क्योंकि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व वाली सरकार इसे भारतीयता की भावना के साथ मजबूत करने पर ध्यान केंद्रित कर रही है। वे नई दिल्ली में 07 मार्च, 2024 को एक निजी मीडिया संगठन द्वारा आयोजित रक्षा शिखर सम्मेलन को संबोधित कर रहे थे। रक्षा मंत्री ने इस 'परिप्रेक्ष्य' को वर्तमान सरकार तथा पिछली सरकार के बीच प्रमुख अंतर बताया और कहा कि इस समय की सरकार भारत के लोगों की क्षमताओं में दृढ़ता से विश्वास करती है, जबकि पहले के वक्त सत्ता में रहने वाले लोग उनकी क्षमताओं के बारे में बहुत हद तक सशंकित थे। श्री राजनाथ सिंह ने रक्षा विनिर्माण में 'आत्मनिर्भरता' को बढ़ावा देने को वर्तमान सरकार द्वारा लाया गया सबसे बड़ा बदलाव करार दिया, जो भारत के रक्षा क्षेत्र को एक नया आकार दे रहा है। उन्होंने आत्मनिर्भरता हासिल करने के लिए

रक्षा मंत्रालय द्वारा उठाए गए सुधारात्मक कदमों का उल्लेख किया, जिनमें उत्तर प्रदेश व तमिलनाडु में रक्षा औद्योगिक गलियारों की स्थापना करना; सकारात्मक स्वदेशीकरण सूचियों की अधिसूचना; पूंजीगत खरीद बजट का 75त्न घरेलू उद्योग के लिए आरक्षित करना; आयुध निर्माणी बोर्ड का निगमीकरण तथा रक्षा उत्कृष्टता के लिए नवाचार (आईडीईएक्स), आईडीईएक्स प्राइम, आईडीईएक्स (एडीआईटीआई) और प्रौद्योगिकी विकास निधि (टीडीएफ) के साथ नवोन्मेषी प्रौद्योगिकियों की इकाईयों का विकास जैसी योजनाएं/पहल शामिल हैं।

हूती अटैक के शिकार जहाज को भारतीय नौसेना ने बचाया

एजेंसी।

भारतीय नौसेना ने एक बार फिर से अदन की खाड़ी में एक कॉमर्शियल जहाज को रेस्क्यू किया है. नेवी के अनुसार ताबिक बारबाडोस के फ्लैग वाले लाइबेरिया के जहाज पर हूती विद्रोहियों ने मिसाइल से हमला किया था. इसके बाद जहाज में आग लग गई. इस दौरान 3 क्रू मेंबर्स की मौत हो गई. वही 6 लोग घायल हुए. भारतीय नौसेना ने इस जहाज पर मौजूद 21 लोगों को बचा लिया है. इनमें से एक भारतीय है. नौसेना के प्रवक्ता का कहना है कि जहाज पर हुए हमले की जानकारी मिलने के बाद आईएनएस कोलकाता को रवाना किया गया था इस पर मौजूद हेलिकॉप्टर व बोट की मदद से लोगों को बचाया गया।

भारत ने मालदीव के पास खोला नया नौसैनिक अड्डा

एजेंसी।:

मालदीव की चीन से बढ़ी नजदीकी और नवनिर्वाचित राष्ट्रपति मोहम्मद मुइज्जू से भारत का तनाव बढ़ने के बाद भारतीय नौसेना ने अपने एक बड़े कदम से तहलका मचा दिया है। भारत ने मालदीव के पास अपना एक नया नौसैनिक अड्डा (नेवल बेस) बना दिया है, जहां से सभी तरह के समुद्री ऑपरेशन व युद्ध को अंजाम दिया जा सकता है। मालदीव और चीन यहां से भारत के जद में आ गए हैं। भारत के इस कदम से माले से लेकर बीजिंग तक खलबली मच गई है। रॉयटर्स की एक रिपोर्ट के अनुसार भारत ने मालदीव और चीन में बढ़ती घनिष्ठता का जवाब देने के लिए यह बड़ा कदम उठाया है।

मालदीव से तनावपूर्ण संबंधों के बीच और बीजिंग पर नजर रखते हुए भारत ने बुधवार को ये नया नौसैनिक अड्डा खोला है। बता दें कि भारत ने मालदीव के करीब अपने हिंद महासागर द्वीप पर इस नए नौसैनिक अड्डे को खोला है। ऐसा माले के साथ तनावपूर्ण संबंध बने होने औक चीन के साथ मालदीव की निकटता बढ़ने के मद्देनजर किया गया है।

भारत ने लक्षद्वीप के द्वीपसमूह पर तैनात किया INS जटायु

भारत ने मालदीव और चीन को जवाब देने के लिए अपने लक्षद्वीप के द्वीप समूह पर आईएनएस जटायु की तैनाती कर दी है। लक्षद्वीप द्वीपसमूह के मिनिकॉय द्वीप पर यह नया नेवल बेस वर्षों से निर्माणाधीन था। अब इसे बुधवार को पूरा कर लिया गया। यह नौसैनिक अड्डा भारत के पश्चिमी तट पर सबसे दूर का बेस है।

हालांकि दशकों से द्वीप पर नौसेना की छोटी टुकड़ी की उपस्थिति रही है। मगर भारत ने अब ऐसे वक्त में इसका उद्घाटन किया है जब मालदीव ने भारत पर अपने लगभग 80 सैनिकों को वापस बुलाने के लिए दबाव डाला है। यह सैनिक भारत ने दक्षिणी पड़ोसी राष्ट्र मालदीव को दिए गए तीन विमानों पर तकनीकी और चिकित्सा सहायता प्रदान करने के लिए तैनात किए थे।

बब्बर खालसा के दो आतंकी गिरफ्तार, दो पिस्टल, मैगजीन व कारतूस बरामद

एजेंसी। काउंटर इंटेलिजेंस ने जालंधर में टारगेट किलिंग करने आए बब्बर खालसा के दो आतंकियों को गिरफ्तार किया है। आरोपियों से पुलिस ने दो पिस्टल, 4 मैगजीन और कारतूस बरामद हुए हैं। पुलिस सूत्रों से पता चला है कि काउंटर इंटेलिजेंस ने खुफिया जानकारी के आधार पर ऑपरेशन कर इन आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पता चला है कि आरोपी पंजाब में किसी बड़े नेता को टारगेट करने आए थे। फिलहाल इसे लेकर काउंटर इंटेलिजेंस ने कोई खुलासा नहीं किया है।

लोकशक्ति www.lokshakti.in

शंकराचार्य निश्चलानंद सरस्वती ने भारत को हिंदू राष्ट्र बनाने भरी हुंकार

कहा धर्मांतरण शासनतंत्र की दुर्बलता का परिणाम

दुर्ग, संवाददाता। पीठाधीश्वर जगतगुरु शंकराचार्य स्वामी श्री निश्चलानंद सरस्वती महाराज तीन दिवसीय प्रवास पर दुर्ग पहुंचे। इस दौरान महाराजा अग्रसेन वेलफेयर ट्रस्ट बायपास रोड के पास आयोजित हिंदू राष्ट्र धर्म सभा में उन्होंने एक बार फिर भारत के उत्कर्ष और भारत को हिंदू राष्ट्र बनाने को लेकर हुंकार भरी। उन्होंने कहा कि यह देश सनातनियों का है। हिंदू राष्ट्र उनका अधिकार है। इसलिए भारत को हिंदू राष्ट्र जल्द घोषित किया जाना चाहिए। धर्मसभा में शंकराचार्य महाराज ने धर्म, विज्ञान और कई धार्मिक मान्यताओं पर श्रद्धालुओं का मार्गदर्शन किया। धर्मसभा में दुर्ग-भिलाई के अलावा प्रदेशभर से श्रद्धालु बड़ी संख्या में जुटे। दुर्ग प्रवास के अंतिम दिन मंगलवार को शंकराचार्य स्वामी श्री निश्चलानंद सरस्वती महाराज ने मीडिया से चर्चा की। उन्होंने राष्ट्र उत्कर्ष व भारत को हिंदू राष्ट्र बनाने के संकल्प अभियान से जुड़े एक सवाल के जवाब में कहा कि भगवान के स्मरण का बल, सदभावनापूर्वक संवाद, सेवा का प्रकल्प और संगठन सेवा इन चार विषयों को अगर सरकार स्थान देगी, तो हिंदू राष्ट्र जल्द बन जाएगा। सभी के पूर्वज सनातनी वैदिक आर्य हिंदू थे। यह श्रीमद् भागवत व अन्य ग्रंथो के विश्लेषण से स्पष्ट हो गया है। शंकराचार्य जी ने कहा कि जो सनातनी धर्म को नहीं मानता है। उसका जीवन खतरे में है। उसका कभी उत्कर्ष नहीं हो सकता है। विज्ञान व वैज्ञानिकों का सनातन धर्म ने मार्गदर्शन किया है। सनातन धर्म के सिद्धांत का नेतृत्व करने वाले विकसित हुए है, जबकि इसके विपरीत इसे निपटाने की सोच रखने वाले विलुप्त हो गए हैं। सनातन धर्म सृष्टि की रचना करता है। परमात्मा जो सिद्धांत को मानते है, वही सनातन का सिद्धांत है, वही सनातन धर्म है। जिसका कोई कभी बाल बांका नहीं कर सकता है। राम मंदिर प्राण प्रतिष्ठा समारोह में अयोध्या नहीं जाने संबंधी सवाल के जवाब में शंकराचार्य ने कहा कि अयोध्या वे जाते रहते हैं। मुझे राम मंदिर प्राण प्रतिष्ठा समारोह में एक व्यक्ति को साथ में लेकर आने का न्योता मिला था। मोदी जी मूर्ति की पूजा करते और मैं क्या वहां 40 फीट नीचे दूर बैठकर तालियां बजाता। समारोह में एक संत का नाम भी नहीं लिया गया। मैं संत हूं, सोच समझकर राष्ट्र हित में कदम उठाता हूं। राम व मोदी से मुझे कोई द्वेष नहीं है। वहां जाना पद के विपरीत था। अहंकार की बात नहीं है, पद की रक्षा करना हमारा दायित्व है। देश में बढ़ते धर्मांतरण पर शंकराचार्य स्वामी श्री निश्चलानंद सरस्वती महाराज ने कहा कि धर्मांतरण शासनतंत्र की दुर्बलता का परिणाम है। इसे राजनेता केवल अपने स्वार्थ की पूर्ति के लिए बढ़ावा दे रहे हैं। सनातन धर्म दर्शनिक, विज्ञान व व्यवहार तीनों से सर्वश्रेष्ठ है, तो फिर कैसे कोई धर्मांतरित हो सकता है। गरीबी व सेवा के नाम पर हिंदुओं को अल्पसंख्यक बनाने का धर्मांतरण बड़ा षड्यंत्र है। राजनीतिक दल के सत्तापक्ष व विपक्ष के दायित्वों पर शंकराचार्य का कहना था कि सदन में किसी भी विषय का कभी भी आंख मूंदकर विरोध नहीं होना चाहिए। अगर विपक्ष मजबूत होता है, तो सत्ता पक्ष को सावधान होकर शासन करना चाहिए। विपक्ष कमजोर होता है तो शासनतंत्र मनमानी करता है। विपक्ष का बलवान होना आवश्यक है। साधु संतों के राजनीति में आने से जुड़े सवाल पर शंकराचार्य ने कहा कि व्यासपीठ व शासनतंत्र दोनों अलग-अलग विषय है। शंकराचार्य ने देश की चुनावी प्रक्रिया को दूषित बताया है। शंकराचार्य स्वामी श्री निश्चलानंद सरस्वती महाराज के तीन दिवसीय दुर्ग प्रवास के दौरान उनके कार्यक्रमों में व्यवस्था बनाने आदित्य वाहिनी दुर्ग जिला अध्यक्ष नारायण शर्मा, पीठ परिषद दुर्ग जिला अध्यक्ष मानव सोनकर, पीठ परिषद राष्ट्रीय उपाध्यक्ष पंडित झमन शास्त्री, राष्ट्रीय संयोजिका सीमा तिवारी, प्रदेश कार्यक्रम प्रभारी संदीप पांडेय, आदित्य वाहिनी प्रदेश अध्यक्ष टीकाराम साहू, पीठ परिषद प्रदेश अध्यक्ष नवनीत तिवारी, प्रकाश राजपूत, प्रदीप साहू, आशीष शर्मा, हिमांशु शुक्ला, विनोद दुबे, सुमित तिवारी, कविता शर्मा, किरण सिंह, शिवकुमारी द्विवेदी, पुष्पांजलि पांडा, प्रिंस कसेरा, कान्हा महाराज, देवा दुबे, वंदना तिवारी सक्रिय रहे।

समय सीमा की बैठक में कलेक्टर ने अग्निवीर थल सेना भर्ती हेतु युवाओं का पंजीयन कराने में मदद करने का दिए निर्देश

सूरजपुर। समय सीमा की बैठक में कलेक्टर श्री रोहित व्यास ने आज कलेक्टोरेट सभा कक्ष में अग्निवीर थल सेना भर्ती के संबंध में चर्चा की। जिसमें उन्होंने संबंधित अधिकारियों से अग्निवीर थल सेना भर्ती में जिले से वर्तमान रजिस्ट्रेशन की जानकारी ली। इसके साथ ही उन्होंने बैठक में उपस्थित रोजगार अधिकारी, जिला शिक्षा अधिकारी व जनपद सीईओ को अग्निवीर थल सेना भर्ती के लिए इच्छुक एवं पात्र आवेदकों को पंजीयन के संबंध में आवश्यक जानकारी देने एवं पंजीयन में सहयोग करने के निर्देश दिए। उपस्थित सभी अधिकारियों को भर्ती प्रक्रिया के सम्बंध में अधिक से अधिक प्रचार-प्रसार करने एवं जिले में ज्यादा से ज्यादा अभ्यर्थियों को अग्निवीर थल सेना भर्ती के लिए प्रेरित करने की बात भी उन्होंने की। बैठक में श्री रामलला दर्शन (अयोध्या धाम) को लेकर भी चर्चा की गई, जिसमें दर्शन के लिए जिले से जाने वाले हितग्राहियों की मेडिकल जांच के लिए कलेक्टर ने समस्त जनपद सीईओ को निर्देशित किया।

भरा स्वच्छ धरा के सपने को साकार कर रही स्वच्छ धरा समिति

बालोद,(आरएनएस)। दूसरी कड़ी में स्वच्छ धरा समिति, छत्तीसगढ़ भिलाई इस्पात संयंत्र टी एंड डी की टीम द्वारा अपने कार्यस्थल बिल्डिंग 17 व ब्रिज 2 के आसपास साफ-सफाई कर गुटखा पाउच,पालीथीन,डिस्पोजल आदि इकट्ठा कर डस्टबीन में डंप किया गया। इस प्रकार स्वच्छता अभियान चलाकर लोगों से करबद्ध निवेदन किया कि सार्वजनिक स्थल पर स्वच्छता बनाए रखें एंव जीरो से पांच साल तक के बच्चों को आज रविवार के दिन पोलियो की खुराक दो बूंद अवश्य पिलाएं।इस पुनीत कार्य में स्वच्छ धरा समिति छत्तीसगढ़ संरक्षक प्रदेश अध्यक्ष नवनीत हरदेल,टी एंड डी सचिव अर्जुन जाल सक्रिय सदस्य एस ए बेग,फ्लेश भंडारी, अजय राजू, फ्लेश भंडारी, शीतल साहू,शैलेंद्र दास, महेंद्र गजेंद्र, प्रेमचंद, गोपाल चंदेल, मधु जोशी शामिल हुए। समिति का उद्देश्य हरा भरा,स्वच्छ धरा है।

दुकान में अज्ञात व्यक्ति ने लगाई लाख, लाखों का सामान जलकर खाक

रायपुर, 07 मार्च (आरएनएस)। काठाडीह स्थित डेली निड्स दुकान में अज्ञात व्यक्ति ने आग लगा दिया। जिससे दुकान में रखे करीब 1 लाख का सामान जलकर खाक हो गया। प्रार्थी की शिकायत पर सेजबहार पुलिस ने अज्ञात आरोपी के खिलाफ अपराध दर्ज किया है। मिली जानकारी के अनुसार प्रार्थी होमनाथ साहहू 22 वर्ष काठाडीह मुजगहन का रहने वाला है। बताया जाता है कि वह काठाडीह में डेली निड्स दुकान चलाता है। 29 फरवरी से 1 मार्च के मध्य अज्ञात चोर ने प्रार्थी के दुकान में आग लगा दिया। जिससे दुकान में रखे टेबल, कुर्सी, फ्रिज व अन्य सामान जलकर खाक हो गया। जिससे प्रार्थी को करीब 1 लाख रुपए का नुकसान हुआ है। प्रार्थी की शिकायत पर सेजबहार पुलिस ने अज्ञात आरोपी के खिलाफ धारा 436 के तहत अपराध दर्ज कर जांच में लिया है।

सूने मकान से सोने-चांदी के जेवर पार

रायपुर, 07 मार्च (आरएनएस)। सुंदर विहार कालोनी महादेव घाट रायपुरा स्थित सूने मकान का ताला तोड़कर अज्ञात चोर ने सोने-चांदी का जेवर पार कर दिया। प्रार्थी की शिकायत पर डीडीनगर पुलिस ने अज्ञात चोर के खिलाफ अपराध दर्ज किया है।

मिली जानकारी के अनुसार प्रार्थी चंद्रकांत चौधरी 42 वर्ष सुंदर विहार कालोनी महादेवघाट रायपुरा का रहने वाला है। बताया जाता है कि अज्ञात चोर ने 4 से 6 मार्च के मध्य प्रार्थी के सूने मकान का ताला तोड़कर आलमारी में रखे सोने-चांदी का जेवर पार कर दिया। चोरी गए जेवर की कीमत करीब 90 हजार रुपए के आसपास बताई जा रही है। प्रार्थी की शिकायत पर डीडीनगर पुलिस ने अज्ञात चोर के खिलाफ धारा 457, 380 के तहत अपराध दर्ज कर जांच में लिया है।

शराब दुकान के पास खड़ी बाइक पार

रायपुर, 07 मार्च (आरएनएस)। गोगांव शराब दुकान के पास खड़ी बाइक को अज्ञात चोर ने पार कर दी। प्रार्थी की शिकायत पर गुढ़ियारी पुलिस ने अज्ञात चोर के खिलाफ अपराध दर्ज किया है। मिली जानकारी के अनुसार प्रार्थी तरुण कुमार साहू 39 वर्ष विकास नगर गुढ़ियारी का रहने वाला है। बताया जाता है कि प्रार्थी अपनी बाइक क्रमांक सीजी 04 सीयू 6398 को गोगांव के शराब दुकान के पास खड़ी किया था, तभी अज्ञात चोर ने पार कर दिया। चोरी गए बाइक की कीमत 7 हजार रुपए के आसपास बताई जा रही है। प्रार्थी की शिकायत पर गुढ़ियारी पुलिस ने अज्ञात चोर के खिलाफ अपराध दर्ज कर जांच में लिया है।

ट्रक की ठोकर से स्कूटी सवार की मौत

रायपुर, 07 मार्च (आरएनएस)। गोगांव के प्रिंस ढाबा के पास ट्रक की ठोकर से स्कूटी सवार युवक की मौत हो गई। मामले में गुढ़ियारी पुलिस ने ट्रक चालक के खिलाफ अपराध दर्ज किया है।

मिली जानकारी के अनुसार मृतक रविकांत शर्मा 30 वर्ष डीडी आवास कबीरनगर का रहने वाला था। बताया जाता है कि वह अपनी स्कूटी पेप क्रमांक सीजी 04 सीवी 2313 से घर जा रहा था, तीी गोगांव के प्रिंस ढाबा के पास ट्रक क्रमांक सीजी 04 एनवाय 5229 के चालक ने लापरवाही पूर्वक वाहन चलाते हुए स्कूटी को टक्कर मार दिया। जिससे रविकांत शर्मा की मौत हो गई। मामले में पुलिस ने ट्रक चालक के खिलाफ अपराध दर्ज कर जांच में लिया है।

24 करोड़ रुपए का फर्जीवाड़ा उजागर: राजीव मितान क्लब का पैसा निजी खातों में जाता रहा

रायपुर, 07 मार्च (आरएनएस)। राजीव मितान क्लब को हुए भुगतान की सरकारी जांच शुरू होने से पहले ही ने इसकी पड़ताल शुरू कर दी है। इसमें कई चौंकाने वाले खुलासे हुए है। ने रायपुर जिले में बने राजीव मितान क्लब योजना की जांच की तो पता चला कि क्लब के खातों के बजाय क्लब संचालकों के निजी खातों में रकम जमा कर दी गई। क्लब वाले भी इसमें पीछे नहीं रहे। दो साल में न तो कभी बैठक की और न ही मिले फंड का हिसाब दिया। सरकार ने भी कभी आपत्ति नहीं की। किसी भी साल किसी भी क्लब का फंड तक नहीं रोका गया। युवाओं में खेल, संस्कृति और कैरियर बनाने को बढ़ावा देने के लिए रायपुर समेत राज्यभर के 33 जिलों में 13242 क्लब बनाए गए।

वन विभाग, मनरेगा, ट्रायबल,पीएचई में भी गड़बड़ी की खुले फाइल

कोरबा, । डीएमएफ में हुए घोटालों को लेकर ईडी की छानबीन बढ़ती जा रही है। ईडी की जांच की आंच में कोरबा जिले के चन्द कारोबारी भी झुलसने वाले हैं। खासकर कोरोना संक्रमणकाल के दौरान आपदा को अवसर में बदलने वाले चुनिन्दा ठेकेदारों, सप्लायरों और व्यापारियों को ईडी ने अपनी राडार पर रखा है। कोरोना संक्रमणकाल के दौरान क्वारंटाइन सेंटर, कोविड हॉस्पिटल का निर्माण से लेकर दवाईयों, किट, बेड, ऑक्सीजन सिलेंडर आदि की सप्लाई में बेतहाशा घपलेबाजी डीएमएफ के मद में की गई। इसमें कटघोरा के निवासी व बिलासपुर में भी बसे महेश दुहलानी को ईडी ने बिलासपुर स्थित निवास से पूछताछ के लिए उठा लिया है। यह खबर काफी तेजी से फैलते ही अन्य शामिल लोगों में खलबली मच गयी है। शहर के एक नामचीन दवा विक्रेता सह सप्लायर के साथ-साथ एक बड़े होटल व्यवसायी को भी ईडी ने अपनी राडार में रखा है। आपदा में अवसर तलाशने वाले इन चन्द लोगों ने अवैध रूप से कमाए गए धन से बड़े पैमाने पर बेशकीमती जमीनों की खरीदी की और प्लॉटिंग कर बेचा जा रहा है। ईडी ने डीएमएफ के घोटाले में अपनी जांच का दायरा बढ़ाया है तो इन्हें संरक्षण देने वाले प्रशासनिक अधिकारी से लेकर फाइल चलाने वाले बाबू तक भी

लिस्ट में शामिल हो रहे हैं। बता दें कि कोरबा जिले में 2 हजार करोड़ रुपए डीएमएफ से खर्च हुए हैं जिसमें 500 से 600 करोड़ रुपए की कमीशनखोरी सामने आई है। ठेकेदारों/सप्लायरों ने टेण्डर हासिल करने के लिए 25 से 40 प्रतिशत का चढ़ावा अधिकारियों को चढ़ाया है। प्याज के छिलकों की तरह अब घोटालों की परत खुलने लगी है और आम जनता भी चाहती है कि परदे के पीछे से डीएमएफ में डाका डालने वाले सफेदपोशों और भ्रष्ट अधिकारियों/कर्मचारियों को बेनकाब होना ही चाहिए।

ननकीराम कंवर उठाते रहे हैं मामला

पूर्व गृहमंत्री ननकीराम कंवर के द्वारा पत्रों के जरिए स्थानीय प्रशासन से लेकर प्रधानमंत्री तक डीएमएफ में हो रहे घोटालों पर नाम सहित ध्यानाकर्षण कराया जाता रहा। ननकीराम कंवर ने कुछ विभागों में व्याप्त भ्रष्टाचार और अधिकारियों की करस्तानियों को भी उजागर किया है। जिला के साथ-साथ ब्लॉक, जनपद, जिला पंचायत स्तर के अधिकारियों ने भी वारा न्यारा किया है। तत्कालीन जनपद सीईओ वीरेन्द्र राठौर व राधेश्याम मिर्झा ने कोरबा जिले में पदस्थापना के दौरान डीएमएफ की खूब मलाई खाई है। ईडी की जांच में इनके राज खुलने से इनसे जुड़े लोगों के हांथ-पांव फूल रहे हैं।

वन विभाग, मनरेगा, ट्रायबल में भी गड़बड़ी जब जांच की बात चली है तो वन विभाग भी इसके दायरे में शामिल होना चाहिए। कटघोरा वनमंडल में तत्कालीन डीएफओ शमा फारुखी ने डीएमएफ से लेकर कैम्पा और विभागीय मद में करोड़ों का घोटाला किया, इसमें स्टापडेम निर्माण प्रमुख है। जंगल में तालाब निर्माण, मजदूरी घोटाला कटघोरा व कोरबा वनमण्डल में खूब हुआ। जंगल में सड़क निर्माण में करोड़ों में गबन हुए। स्टॉप डेम का मामला कांग्रेस की सरकार में भाजपा के विधायक धरम लाल कौशिक ने उठाया लेकिन बाद में मसला ठंडा पड़ गया। अब भाजपा की सरकार में इस घोटाले की फाइल के साथ-साथ विधानसभा में डीएफओ द्वारा स्टॉप डेम की गलत जानकारी देकर गुमराह करने का प्रकरण भी उछला लेकिन इसके बाद शिकायत कर्ता से लेकर श्री कौशिक भी खामोशी रहस्यमय हो गई है। फर्जी मजदूरों के नाम असली भुगतान हुए और असली मजदूर अपनी मजदूरी के लिए भटक रहे हैं,लेकिन अधिकारी उदासीन हैं। मनरेगा में जमकर खेल हुआ है और हो रहा है, अमृत सरोवर से लेकर जल आवर्धन योजना भी भेंट चढ़ी है।

पिछले साल से ही बढ़ गई प्रदेश में सीटें पर जांजगीर का मेडिकल कॉलेज अधर में

0-स्थानीय प्रतिभागियों के लिए नहीं बढ़ पाये चांसेस

जांजगीर-चांपा, 07 मार्च (आरएनएस)। प्रदेश में पिछले साल से ही एमबीबीएस की सीटें बढ़ गई है। नेशनल मेडिकल कमीशन ने सीटें बढ़ाई थी। सीटें बढ़ने का फायदा निश्चित ही राज्य के नीट, यूजी के तैयारी कर रहे प्रति भागियों को मिला परंतु ढाई साल पहले तत्कालीन सीएम द्वारा जांजगीर में मेडिकल कॉलेज खोलने की घोषणा अधर में रह गई। पिछली सरकार ने अपने दो बजट में इसे ठेंगा दिखाया। एक बार फिर अखिल भारतीय स्तर पर मेडिकल कॉलेज में प्रवेश के लिए फार्म भरने की प्रक्रिया शुरू हो गई है। जांजगीर के मेडिकल कॉलेज का सपना अभी-छोर नहीं दिख रहा है। जिसका सीधा घाटा प्रदेश सहित इस क्षेत्र के हजारों मेधावी प्रतिभावानों युवाओं को होगा जो तगड़े कम्पीटिशन के माहौल में अपनी कमजोर आर्थिक परिस्थिति के बावजूद भी डॉक्टर बनने का सपना देख रहे है। तत्कालीन मुख्यमंत्री ने जुलाई 2022 को प्रदेश में चार नये मेडिकल कॉलेज शुरू करने की घोषणा की थी जिसमें जांजगीर में भी मेडिकल कॉलेज खोले जाने का प्रस्ताव था। नवंबर 2022 में केबिनेट में मंजूरी भी मिल गई थी परंतु 2023 के बजट में शामिल नहीं किया गया। सत्र 2022-23, सत्र 2023-24 के लिए मेडिकल कॉलेजों में एडमिशन हो गया। अब सत्र 2024-25 के लिए भी फार्म भराये जा रहे है। अभी तक यह स्पष्ट नहीं है कि प्रवेश प्रक्रिया में नया मेडिकल कॉलेज शामिल होगा की नहीं। बाद में जगह को लेकर अड़चने आई। पेंच ऐसा फंसा कि मेडिकल कॉलेज अधर में रह गया। नीट यूजी परीक्षा 5 मई को, 9 मार्च तक भरे जायेंगे फार्म नीट यूजी नेशनल टेस्टिंग एजेंसी द्वारा प्रदेश सहित देश के सरकारी व प्राइवेट मेडिकल कॉलेज में एमबीबीएस कोर्स में प्रवेश के लिए नीट, यूजी परीक्षा 5 मई को होगी। इसके लिए 9 फरवरी को शेड्यूल जारी किया गया है। जिसके अनुसार अधिकारिक वेबसाइट पर ऑनलाइन फार्म 9 मार्च तक भरा जा सकता है। मेडिकल एमबीबीएस, डेंटल, आयुष व नर्सिंग कोर्स के लिए पेपर पेन आधारित परीक्षा 11वीं व 12वीं के पाठ्यक्रम से काम्पीटिशन टफ देश भर में 20 लाख प्रतिभागियों के शामिल होने का अनुमानप्रदेश के मेडिकल कॉलेज व संभावित सीट जवाहर लाल नेहरू स्मृति चिकित्सा महाविद्यालय रायपुर 180, भारत रत्न अटल बिहारी बाजपेयी स्मृति मेडिकल कॉलेज राजनांदगांव 125, सिम्स बिलासपुर 180, स्व. बलीराम कश्यप स्मृति मेडिकल कॉलेज जगदलपुर 125, शासकीय चिकित्सा महाविद्यालय महासमुंद 100, स्व. लखीराम अग्रवाल मेमोरियल मेडिकल कॉलेज रायगढ़ 60, राजमाता देवेन्द्र कुमारी सिंहदेव मेडिकल कॉलेज अंबिकापुर 125, शासकीय चिकित्सा महाविद्यालय कांकेर 125, स्व.बी.डी. महंत मेडिकल कॉलेज कोरबा 100, स्व. चंदूलाल मेमोरियल मेडिकल कॉलेज दुर्ग 180, रिम्स निजी कॉलेज 150, शंकराचार्य कॉलेज भिलाई 150, बालाजी इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंस 150 यह दिक्कत आ रही फार्म भरने में नीट का फार्म भर रहे विद्यार्थियों का कहना है।

कृषि उत्पादक संगठन एवं सहकारी समितियों का एक दिवसीय कार्यशाला का हुआ आयोजन

रायपुर। कृषि उत्पादक संगठन एवं सहकारी समितियों का एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन कलेक्टोरेट परिसर स्थित रेडक्रॉस सभाकक्ष में हुआ। कार्यशाला में राष्ट्रीय बीज निगम लिमिटेड द्वारा जिले में गठित 75 प्राथमिक कृषि सहकारी ऋण समिति (पैक्स) को शीड डीलरशिप प्रदाय किया गया। साथ ही हिन्दुस्तान इंसेक्टीसाइड लिमिटेड (एचआईएल) द्वारा 10 पैक्स एवं 3 एफपीओ को कीटनाशक की डीलरशिप दी गई। कलेक्टर डॉ गौरव सिंह ने कार्यशाला को संबोधित करते हुए कहा कि कृषि उत्पादकता को बढ़ावा दिया जाएं। साथ ही ऑनलाइन बिक्री वाले उत्पाद के गुणवत्तापूर्ण होने पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि उत्पाद के पैकेजिंग व प्रचार-प्रसार में बेहतर ढंग से किया जाए। उत्पादों का परिवहन समय-सीमा के भीतर ही सुनिश्चित की जाए। बेहतर मैनेजमेंट से ही नागरिकों में उत्पादक के प्रति विश्वास कायम होता है। कार्यशाला में ओपन नेटवर्क एवं डिजिटल कॉमर्स (ओएनडीसी) के बारे में कृषि उत्पादक संगठन व सहकारी समितियों को जानकारी दी गई। इसके नेटवर्क के बारे में भी विस्तार से बताया गया। कार्यशाला में नए कृषि उत्पादकों ने नेटवर्क मैनेजमेंट को बेहतर तरीके से समझा और अपनी शंका दूर किया। कार्यशाला में जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री विश्वदीप तथा अन्य संबंधित अधिकारीगण उपस्थित थे।

महिला दिवस के उपलक्ष में वूमेन साइंटिस्ट राउंड टेबल कॉन्फ्रेंस ऑन वूमेन फॉर साइंटिफिक सोशल रिस्पांसिबिलिटी का आयोजन

रायपुर। इनोवेशन मेला में छत्तीसगढ़ के विभिन्न जिलों से लगभग 20 से ज्यादा महिला इनोवेटर्स ने हर्बल प्रोडक्ट ,मीलेट प्रोडक्ट औषधि, हेल्दी होम मेकर्स कैन कंट्रीब्यूट द मोस्ट डिवेलप ए हेल्दी सोसाइटी भविष्य हमारे मुट्ठी में , चित्रकला, ट्राइबल ज्वैलरी एंड जुट प्रोडक्ट्स, बायोडिग्रेडेबल बंबू फाइबर सैनिटरी पैड्स , साइंस मॉडल के अंतर्गत सोलर एयर प्यूरिफायर सिस्टम , एलपीजी गैस डिटेक्टर, वेदर मॉनिटरिंग, आईओएस बेस्ड प्लांट मॉनिटरिंग इत्यादि आकर्षक विषय में स्टॉल लगाए, जिसमें लोगों का भरपूर सराहना मिला।

तत्पश्चात मां सरस्वती जी के छायाचित्र का चित्र पर माल्यार्पण; दीप प्रज्वलन तथा विश्वविद्यालय के कुलगीत का गायन किया गया। तत्पश्चात अतिथियों का सम्मान पौधे भेंट कर किया गया तत्पश्चात प्रोफेसर प्रियंवदा श्रीवास्तव मैम द्वारा आज के कार्यक्रम का स्वागत भाषण दिया गया।

आज के मुख्य अतिथि डॉ. अमृधा जी ने अपने उद्बोधन में महिलाओं का समाज में विशेष योगदान का वर्णन करते हुए कहा कि महिलाएं एक पीढ़ी से दूसरे पीढ़ी में अपने ज्ञान को स्थानांतरित करने की मुख्य कड़ी है जो समाज के निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। इन्होंने यह भी कहा कि विज्ञान को समाज से जोड़कर प्रयोगशाला, प्रयोग को अपने दैनिक दिनचर्या में शामिल कर समस्याओं का निदान करना चाहिए।तत्पश्चात वूमेन साइंटिस्ट अचीवर पुरस्कार डॉ. प्रीति उपाध्याय को दिया गया , इन्होंने विगत 19 वर्षों से दिव्यांगों के लिए अवैतनिक योगदान दिया । स्त्री प्रेरणा सम्मान श्रीमती नम्रता यदु को मशरूम कल्टीवेशन के योगदान हेतु प्रदान किया गया ।फोरेंसिक विज्ञान में नवाचार एवं योगदान हेतु सुश्री दीप्ति सिंह को स्वशक्ति पुरस्कार प्रदान किया गया। तत्पश्चात राउंड टेबल पैनल कार्यक्रम के दौरान महिला पैनलिस्ट ने समाज की उपयोगिता हेतु हर्बल विज्ञान, एलईडी बल्ब, साबुन ,सैनिटाइजर बनाना, आईओटी बेस्ड मोबाइल ऐप बनाने हेतु जानकारियां दीं।

महाराष्ट्र मंडल में महा शिवरात्रि पर 60 जोड़े करेंगे सामूहिक रुद्राभिषेक

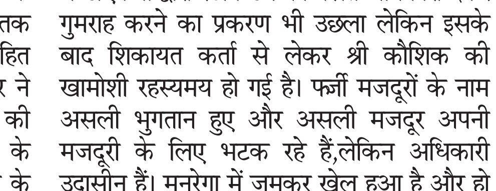

रायपुर। महाराष्ट्र मंडल चौबे कॉलोनी स्थित संत ज्ञानेश्वर सभागृह में महा शिवरात्रि पर शुक्रवार को सुबह 11:00 बजे लघु रुद्राभिषेक का भव्य आयोजन किया जा रहा है। इस मौके पर 60 जोड़े एक साथ लघु रुद्राभिषेक करेंगे।

महाराष्ट्र मंडल के सचिव और महाराष्ट्र संस्कार केंद्र के प्रमुख चेतन दंडवते के मुताबिक आयोजन की तैयारियां पूरी हो गई हैं। इस मौके पर लगातार तीसरी बार महिलाओं की टीम लघु रुद्राभिषेक पाठ करेंगी। तात्यापारा निवासी ज्योति कान्हे के नेतृत्व में महिलाओं की टीम 10 दिनों तक अभ्यास करने के बाद अब लघु रुद्राभिषेक का पाठ करने के लिए तैयार है। जो भक्तगण किसी वजह से सामूहिक लघु रुद्राभिषेक में शामिल नहीं हो पा रहे हैं, वो अपने नाम- परिवार के नाम पर अलग से अभिषेक करवाने में रुचि ले रहे हैं।

मंडल अध्यक्ष अजय काले ने बताया कि पूजा स्थल पर भगवान भोले शंकर के भव्य शिवलिंग का निर्माण अजय पोद्दार और शेखर श्रीरसागर कर रहे हैं। यहीं पर प्रभु श्रीराम की विशाल तस्वीर के साथ आकर्षक झांकी भी बनाई जा रही है। दोपहर 2:30 बजे महाआरती के बाद महाप्रसाद वितरित किया जाएगा।

पीएससी घोटाला ईओडब्ल्यू के साथ एक और एफआईआर की केंद्रीय एजेंसी करेगी जांच

रायपुर, 07 मार्च (सवाददाता)।

छत्तीसगढ़ के चर्चित लोक सेवा आयोग (सीजी पीएससी) भर्ती घोटाला की जांच राज्य सरकार ने केंद्रीय जांच एजेंसी सीबीआई को सौंप दी है। इस संबंध में सरकार ने अधिसूचना जारी कर दी है। सरकार ने ब्यूरो को ईओडब्ल्यू- एसीबी में दर्ज एफआईआर के साथ ही पीएससी घोटाला में दर्ज एक और एफआईआर को सीबीआई को ट्रांसफर कर दिया है। इसके साथ ही ब्यूरो को इस मामले की जांच के लिए पूरे छत्तीगसढ़ में कार्यवाही करने की अनुमति भी दे दी गई है। बता दें कि पूर्ववर्ती कांग्रेस सरकार में कथित तौर पर सीजी पीएससी की भर्ती में बड़े पैमाने पर गड़बड़ी हुई है। सीजी पीएससी के तत?कालीन चेयरमैन टामन सिंह सोनवानी सहित पीएससी के कई अफसर इस मामले में दर्ज एफआईआर में नामजद किए गए हैं। आरोप है कि भर्ती परीक्षा में गड़बड़ी करके सोनवानी सहित अन्य अफसरों और नेताओं के रिश?तेदारों को नौकरी दी गई है। विधानसभा चुनाव के दौरान यह बड़ा मुद्दा बना था, तब बीजेपी ने सरकार बनने पर इस मामले की सीबीआई से जांच कराने की घोषणा की थी। इसी वर्ष 3 जनवरी को हुई राज?य मंत्रिपरिषद की बैठक में इस मामले को सीबीआई को सौंपने का फैसला हुआ। पीएससी घोटाला में दर्ज दोनों एफ आईआर की जांच करेगी सीबीआई सीजी पीएससी भर्ती घोटाला में राज्य में 2 एफआईआर दर्ज है। एक एफआईआर शासन के निर्देश पर एसीबी-ईओडब्ल्यू ने दर्ज की है। वहीं, दूसरी एफआईआर बालोद जिला के अर्जुंदा थाने में दर्ज हुई है। गृह विभाग से जारी अधिसूचना में दोनों ही मामलों की जांच सीबीआई को सौंपने की जानकारी दी गई है। पीएससी के तत्कालीन चेयरमेन और सचिव के साथ कांग्रेस नेताओं के भी नाम एसीबी-ईओडब्ल्यू दर्ज एफआईआर में आयोग के तत्कालीन अध्यक्ष टामन सिंह सोनवानी व तत्कालीन सचिव जीवन किशोर ध्रुव के साथ ही कुछ अफसरों और कांग्रेस नेताओं को आरोपी बना गया है। गृह विभाग से जारी पत्र के आधार पर यह एफआईआर दर्ज की गई थी। इसमें कहा गया है कि छत्तीसगढ़ राज्य लोक सेवा आयोग द्वारा आयोजित प्रतियोगी परीक्षा वर्ष 2021 जो 170 पदों के लिए ली गई थी और जिसके परिणाम 11 मई 2021 को जारी किए जाने के पश्चात् राज्य लोकसेवा आयोग पर अनियमितता एवं भ्रष्टाचार का आरोप लगाते हुए ननकीराम कंवर व अन्य के माध्यमों से शिकायतें प्राप्त हुई थी। शिकायती पत्र के आधार पर प्रथम दृष्टया यह पाया गया कि छत्तीसगढ़ लोकसेवा आयोग के तत्कालीन अध्यक्ष टामन सिंह सोनवानी, तत्कालीन सचिव जीवन किशोर ध्रुव, तत्कालीन परीक्षा नियंत्रक एवं शासन तथा आयोग में तत्समय पदस्थ संलिप्त लोकसेवकगण और संबंधित राजनेतागण एवं अन्य के द्वारा अपने-अपने पद का दुरुपयोग करते हुए तथा राजनैतिक प्रभाव का इस्तेमाल करते हुए छत्तीसगढ़ लोकसेवा आयोग की चयन प्रक्रिया वर्ष 2020 एवं 2021 तथा असिस्टेंट प्रोफेसर चयन परीक्षा में नियम विरूद्ध तरीके से आपराधिक षड़यंत्र करते हुये अपने पुत्र, पुत्री व रिश्तेदारों को कई पात्र योग्य अभ्यार्थियों के बदले इनका चयन शासकीय पदों पर करते हुए शासन एवं उन योग्य अभ्यार्थियों के साथ भ्रष्ट आचरण करते हुये छल कारित किया गया है, जो कि धारा 120 बी, 420, भादवि एवं धारा 7, 7 (क), एवं 12 भ्र.नि.अ. 1998 यथा संशो. 2018 के तहत अपराध कारित किया जाना पाया गया है, अतः अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया है।

तीन नगरीय निकायों में अध्यक्ष के विरुद्ध अविश्वास प्रस्ताव पारित होने के बाद राज्य शासन ने नियुक्त किया कार्यवाहक अध्यक्ष

रायपुर । राज्य शासन के नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग ने तीन नगरीय निकायों में अध्यक्ष के विरुद्ध अविश्वास प्रस्ताव पारित होने के बाद कार्यवाहक अध्यक्ष नियुक्त किया है। विभाग द्वारा मंत्रालय से जारी अलग-अलग आदेश के अनुसार बिलासपुर जिले के तखतपुर नगर पालिका के वार्ड क्रमांक-13 की पार्षद श्रीमती अमरीका कृष्ण कुमार साहू को तखतपुर नगर पालिका का कार्यवाहक अध्यक्ष नियुक्त किया गया है। राज्य शासन द्वारा बेमेतरा जिले के मारो नगर पंचायत के वार्ड क्रमांक-15 के पार्षद श्री धनलाल देशलहरे को मारो नगर पंचायत का और मुंगेली जिले के सरगांव नगर पंचायत के वार्ड क्रमांक-5 के पार्षद श्री परमानंद साहू को सरगांव नगर पंचायत का कार्यवाहक अध्यक्ष नियुक्त किया गया है। राज्य शासन ने तीनों नगरीय निकायों में वर्तमान अध्यक्षों के विरुद्ध अविश्वास प्रस्ताव पारित होने के बाद अध्यक्ष के रिक्त पदों की जानकारी देते हुए नए अध्यक्षों के निर्वाचन के लिए आवश्यक कार्यवाही हेतु छत्तीसगढ़ राज्य निर्वाचन आयोग को पत्र लिखा है।

आगजनी के फरार आरोपी को कोतवाली पुलिस ने किया गिरफ्तार

फिरौती एवं अपहरण के फरार आरोपियों को भी पुलिस ने किया गिरफ्तार

कोरबा, (आरएनएस)। थाना कोतवाली के अपराध क्रमांक 360 /23 धारा 365 384 366 ए 323 506 के मामले में आलोक सागर, गौतम सिंह, अभिषेक साहू, बाबुल जयसवाल को पूर्व में गिरफ्तार किया जाकर न्यायिक रिमांड पर भेजा गया है। मामले के फरार आरोपी निशांत उर्फ निशू यादव पिता लक्ष्मी नारायण यादव उम्र 20 वर्ष एवं राहुल यादव पिता छोटे लाल यादव उम्र 26 वर्ष साकिन निवासी पुरानी बस्ती सर्वमंगला रोड कोरबा को घटना दिनांक से फरार होने के पश्चात जरिए मुखबिर सूचना के आरोपियों के सकुनत पर जाकर घेराबंदी कर पकड़ा गया आरोपियों को गिरफ्तार कर अन्य मामलों में पूछताछ किया गया जो पूछताछ के दौरान आरोपी निशांत उर्फ निशू यादव द्वारा थाना कोतवाली कोरबा के अपराध क्रमांक 137/24 धारा 435 भादवि के मामले को घटित करना स्वीकार करते हुए 3 -4 /24 के दरमियानी रात को हुए दुरपा रोड फुलवारी पर के पास दो वाहनों में अपने अन्य साथियों के साथ ज्वलनशील पदार्थ डालकर आग लगाना बताते हुए फरार होकर लुक छिप रहना बताया जो आरोपी निशांत उर्फ निशू यादव को आगजनी के मामले में पृथक से गिरफ्तार किया गया कृष, बाबू, गप्पू, को आगजनी मामले में संलिपिता का पता चला है। जो वर्तमान में फरार है जिनकी पता तलाश के लिए दो टीम गठित की गई जिन्हें शीघ्र गिरफ्तार किया जाता है। उपरोक्त आरोपियों की गिरफ्तारी हेतु इमलीडुग्गू, पुरानी बस्ती आदि स्थानों पर दबिश दी जा रही है शाम के समय में लगातार पेट्रोलिंग की जा रही है पैदल पेट्रोलिंग के दौरान मिलने वाले आसामाजिक तत्वों पर प्रबंधात्मक धाराओं के तहत तथा शराब पीकर वाहन चलाने वालों पर मोटर व्हीकल एक्ट के तहत कार्यवाही की जाकर लाइसेंस निरस्तीकरण की कार्यवाही लगातार की जा रही है पिछले दिनों करीब 20 लोगों के ऊपर प्रबंधात्मक धाराओं के तहत कार्यवाही की गई है प्रत्येक थानो से शाम के समय पैदल पेट्रोलिंग प्रतिदिन की जा रही है आसामाजिक तत्वों व शराब पी के वाहन चलाने वालों के ऊपर लगातार कार्यवाही की जा रही है।

युवा देशहित में समर्पण के साथ कार्य करें: राज्यपाल

राजभवन में मध्यप्रदेश एवं छत्तीसगढ़ एन.सी.सी. संचालनालय के कैडेट्स का 'एट होम' कार्यक्रम संपन्न

रायपुर। राज्यपाल विश्वभूषण हरिचंदन के मुख्य आतिथ्य में आज यहां राजभवन में मध्यप्रदेश एवं छत्तीसगढ़ एन.सी.सी. संचालनालय के कैडेट्स का 'एट होम' कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम में छत्तीसगढ़ बटालियन के वे एन.सी.सी. कैडेट्स शामिल हुए, जिन्होंने नई दिल्ली में इस वर्ष गणतंत्र दिवस परेड में भाग लिया था। कार्यक्रम में राज्यपाल के सचिव श्री यशवंत कुमार, ब्रिगेडियर श्री विक्रम सिंह चौहान वाई.एस.एम, विंग कमाण्डर श्री विवेक कुमार, कर्नल श्री प्रदीप सहित कैडेट्स के परिजन उपस्थित थे। राज्यपाल श्री विश्वभूषण हरिचंदन ने कैडेट्स को गणतंत्र दिवस परेड में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने और पूरे देश में 6 वां स्थान प्राप्त करने पर हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दी। उन्होंने सैन्य अधिकारियों को भी बधाई दी, जिन्होंने कड़ी मेहनत और समर्पण से कैडेटों को प्रशिक्षण देकर आगे बढ़ने का मार्ग प्रशस्त किया और उन्हें इस स्तर तक पहुंचाया।

श्री हरिचंदन ने एन.सी.सी. कैडेट्स का आव्हान किया कि वे देशहित के लिए निष्ठा और समर्पण के साथ कार्य करें और देश पर हमेशा गर्व करें। उन्होंने कहा कि वंचित वर्गो की सहायता के लिए हमेशा तत्पर रहें। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में न केवल, भारत विश्व में अपना महत्व साबित कर रहा है बल्कि देश के अंदर भी सभी क्षेत्रों में प्रगति हो रही है। प्रधानमंत्री ने विकसित भारत 2047 की संकल्पना के लिए युवाओं को बढ़-चढ़ कर भाग लेने की अपील की है जिससे देश के सभी युवा उत्साहित हैं। उन्होंने कहा कि एनसीसी एक ऐसा माध्यम है जो युवाओं को सैन्य प्रशिक्षण देकर उन्हें सैन्य गतिविधियों से अवगत कराता है और अनुशासन बनाए रखते हुए एकता की भावना विकसित करता है। एनसीसी संगठन द्वारा आयोजित शिविरों और कार्यक्रमों के माध्यम से देश के विभिन्न हिस्सों से आए कैडेट न केवल एक-दूसरे की सांस्कृतिक विरासत के बारे में जानते हैं बल्कि विदेशों में जाकर भारतीय संस्कृति का परिचय भी देते हैं, जो बेहद सराहनीय है। उन्होंने विशेष रूप से एन.सी.सी. गर्ल्स बटालियन की सराहना की और कहा कि इसी प्रकार लड़कियों को परिजन द्वारा प्रोत्साहित किया जाना चाहिए। उन्होंने एन.सी.सी. द्वारा विभिन्न साहसिक गतिविधियों, प्राकृतिक आपदाओं और दुर्घटनाओं में सहायता करने एवं सामाजिक कार्यों में भाग लिए जाने पर प्रसन्नता जाहिर की।उन्होंने आशा व्यक्त की कि कैडेट्स भविष्य में भी इसी उत्साह के साथ नई उपलब्धियां हासिल करेंगे और देश व प्रदेश का नाम रोशन करेंगे। ब्रिगेडियर श्री विक्रम सिंह चौहान वाई.एस.एम ने मध्यप्रदेश एवं छत्तीसगढ़ एन.सी.सी. संचालनालय की गतिविधियों की जानकारी देते हुए बता कि राज्य में इसकी 16 यूनिट कार्यरत है जिसमे 2 यूनिट गर्ल्स कैडेट्स की है। राज्य में विभिन्न शैक्षणिक संस्थानों में 23000 से अधिक कैडेट्स जुड़े हुए हैं। जिसे बढ़ाने की कार्यवाही चल रही है। उन्होंने कहा कि 'एक भारत-श्रेष्ठ भारत' योजना के तहत कैडेट्स दूसरे राज्यों में जाकर वहां की संस्कृति से परिचित होते हैं, जिससे राष्ट्रीय एकता मजबूत होती है।

कार्यक्रम में कैडेट्स द्वारा मनमोहक सांस्कृतिक प्रस्तुतियां दी गई। राज्यपाल श्री हरिचंदन को मिराज 2000 का एरो मॉडल, भारतीय नौसेना का आईएनएस शिवालिक का मॉडल और एन.सी.सी. के ध्येय वाक्य को दर्शाता हुआ.

अपनी बेटी का सुनहरा भविष्य गढ़ने महतारी वंदन योजना की राशि, सुकन्या समृद्धि योजना में निवेश

महतारी वंदन योजना की राशि से संतोषी की बेटी का भविष्य होगा सुरक्षित

रायपुर, लोकशक्ति। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय सरकार की महतारी वंदन योजना का असर अब धरातल पर दिखने लगा है। आगामी 7 मार्च को योजना की राशि महिलाओं के खाते में आएगी। अभी से महिलाएं योजना द्वारा मिलने वाली एक हज़ार रुपये की राशि का उपयोग करने की योजना बनाने लगी हैं। कोई इस राशि से बचत की सोच रहा है, तो कोई अपनी छोटी-मोटी ज़रूरतें पूरा करने पर विचार कर रहा है। वहीं कुछ महिलाऐं इस राशि को भविष्य के लिए निवेश करने वाली हैं। ऐसे ही विचारों के साथ रायपुर के तेलीबांधा में रहने वाली श्रीमति संतोषी ठाकुर कहती हैं कि महतारी वंदन योजना से मिलने वाले पैसों को वह अपनी बेटी के लिए सुकन्या समृद्धि योजना में निवेश करेगी। जिससे भविष्य में वह राशि उनकी बेटी के काम आ सके।

वैसे तो कहा जाता है कि पुरुषों की अपेक्षा महिलाएं वित्तीय प्रबंधन के मामले में ज्यादा समझदार होती हैं। पर संतोषी ठाकुर की सोच इस बता को प्रमाणित भी करती है। वह महतारी वंदन योजना की राशि अपने खर्चे में नहीं बल्कि बच्चों के भविष्य के लिए उपयोग करना चाहती है। संतोषी अपने दो बच्चों के साथ किराए के मकान में रहती है जिसमें केवल एक ही कमरा है। जिसमे 12 वर्ष का एक बेटा राज और 10 वर्ष की एक बेटी वर्षा ठाकुर है जो कक्षा 8वीं और 6वीं में पढ़ते है। संतोषी ठाकुर घर चलाने के लिए दूसरे घरों में जाकर खाना बनाने का कार्य करती हैं और इससे होने वाली आमदनी से अपना घर खर्च और अन्य जरूरतें पूरी करती हैं।

संतोषी बताती है कि उन्होंने अपनी बेटी के लिए सुकन्या समृद्धि योजना के अंतर्गत खाता खोला था और पैसे जमा करना शुरू किया था। पर घर की आर्थिक स्थिति अच्छी नहीं होने के कारण वह उसमें नियमित रूप से पैसे जमा नहीं कर पाती थी। अब महतारी वंदन योजना से हर माह एक हज़ार रुपए मिलेंगे। उन्होंने यह निश्चय किया है कि इस राशि को वह फिर से उस खाते में जमा करेंगी। जिससे भविष्य में वह राशि उनकी बेटी के काम आ सकेगा। वह इस योजना के लिए छत्तीसगढ़ सरकार का धन्यवाद देते हुए कहती हैं कि इस योजना से उन्हें आर्थिक बल मिलेगा। राज्य सरकार द्वारा शुरू की गई योजनाएं ना केवल सीधे तौर पर बल्कि अन्य जनहितकारी योजनाओं के साथ संबंधित होकर हर वर्ग को को लाभ पहुंचाएगी। जैसा संतोषी ठाकुर राज्य सरकार की महतारी वंदन योजना का लाभ लेकर अपनी बेटी के बेहतर भविष्य के लिए इस राशि को सुकन्या समृद्धि योजना के माध्यम से सुरक्षित करेंगी। ऐसे ही प्रदेश के हर व्यक्ति जो कतार के आखिर में ही क्यूं ना खड़ा हो सरकार उस तक भी योजना को पहुंचाने और विकास के लिए प्रतिबद्ध है।

अपनी बेटी का सुनहरा भविष्य गढ़ने महतारी वंदन योजना की राशि, सुकन्या समृद्धि योजना में निवेश करेंगी संतोषी

महतारी वंदन योजना की राशि से संतोषी की बेटी का भविष्य होगा सुरक्षित

रायपुर संवाददाता मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय सरकार की महतारी वंदन योजना का असर अब धरातल पर दिखने लगा है। आगामी 7 मार्च को योजना की राशि महिलाओं के खाते में आएगी। अभी से महिलाएं योजना द्वारा मिलने वाली एक हज़ार रुपये की राशि का उपयोग करने की योजना बनाने लगी हैं। कोई इस राशि से बचत की सोच रहा है, तो कोई अपनी छोटी-मोटी ज़रूरतें पूरा करने पर विचार कर रहा है। वहीं कुछ महिलाऐं इस राशि को भविष्य के लिए निवेश करने वाली हैं। ऐसे ही विचारों के साथ रायपुर के तेलीबांधा में रहने वाली श्रीमति संतोषी ठाकुर कहती हैं कि महतारी वंदन योजना से मिलने वाले पैसों को वह अपनी बेटी के लिए सुकन्या समृद्धि योजना में निवेश करेगी। जिससे भविष्य में वह राशि उनकी बेटी के काम आ सके। वैसे तो कहा जाता है कि पुरुषों की अपेक्षा महिलाएं वित्तीय प्रबंधन के मामले में ज्यादा समझदार होती हैं। पर संतोषी ठाकुर की सोच इस बता को प्रमाणित भी करती है। वह महतारी वंदन योजना की राशि अपने खर्चे में नहीं बल्कि बच्चों के भविष्य के लिए उपयोग करना चाहती है। संतोषी अपने दो बच्चों के साथ किराए के मकान में रहती है जिसमें केवल एक ही कमरा है। जिसमे 12 वर्ष का एक बेटा राज और 10 वर्ष की एक बेटी वर्षा ठाकुर है जो कक्षा 8वीं और 6वीं में पढ़ते है। संतोषी ठाकुर घर चलाने के लिए दूसरे घरों में जाकर खाना बनाने का कार्य करती हैं और इससे होने वाली आमदनी से अपना घर खर्च और अन्य जरूरतें पूरी करती हैं।

संतोषी बताती है कि उन्होंने अपनी बेटी के लिए सुकन्या समृद्धि योजना के अंतर्गत खाता खोला था और पैसे जमा करना शुरू किया था। पर घर की आर्थिक स्थिति अच्छी नहीं होने के कारण वह उसमें नियमित रूप से पैसे जमा नहीं कर पाती थी। अब महतारी वंदन योजना से हर माह एक हज़ार रुपए मिलेंगे। उन्होंने यह निश्चय किया है कि इस राशि को वह फिर से उस खाते में जमा करेंगी। जिससे भविष्य में वह राशि उनकी बेटी के काम आ सकेगा। वह इस योजना के लिए छत्तीसगढ़ सरकार का धन्यवाद देते हुए कहती हैं कि इस योजना से उन्हें आर्थिक बल मिलेगा।

राज्य सरकार द्वारा शुरू की गई योजनाएं ना केवल सीधे तौर पर बल्कि अन्य जनहितकारी योजनाओं के साथ संबंधित होकर हर वर्ग को को लाभ पहुंचाएगी।

राजनांदगांव की अवाम के यूं ही जननायक नहीं बन गए हैं सांसद संतोष पाण्डेय

जगदलपुर, लोकशक्ति । जो जनप्रतिनिधि सेवा को अपना परम धर्म मान कर अनवरत काम करता हो, जो अपने कर्म से कभी संतुष्ट न हो, और जो सिर्फ अपने ही निर्वाचन क्षेत्र मात्र की नहीं, बल्कि बस्तर जैसे आदिवासी क्षेत्र की भी चिंता करता हो, वही असल जननेता और जननायक कहलाने का हकदार बनता है। कुछ इसी तरह के किरदार हैं छत्तीसगढ़ के राजनांदगांव लोकसभा क्षेत्र के सांसद संतोष पाण्डेय। संतोष पाण्डेय की कर्मशीलता को देखते हुए भाजपा नेतृत्व ने उन्हें लोकसभा चुनाव 2024 के लिए इसी संसदीय सीट से फिर से उम्मीदवार घोषित किया है। उनके सेवाभावी कामकाज से राजनांदगांव ही नहीं, बल्कि बस्तर जिले की अवाम भी मुरीद बन चुकी है। संतोष पाण्डेय वो जननायक हैं, जिनके रग रग में बाल्यकाल से ही राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ की राष्ट्रभक्ति और भारतीय जनता पार्टी की जनसेवा वाली भावना प्रवाहित होती आ रही है। सेवाभावी और संस्कारी माता -पिता से विरासत में मिले सद्गुण आज जन सेवा के प्रतिमान गढ़ने में संतोष पाण्डेय के बड़े काम आ रहे हैं। पूर्व मुख्यमंत्री डॉ. रमन सिंह को अपने राजनैतिक गुरु मान कर सांसद संतोष पाण्डेय ने राजनांदगांव, खैरागढ़, कवर्धा और मानपुर, मोहला, अंबागढ़ चौकी जिलों की जनता की बीते पांच साल में जो सेवा की है, उसका बखान चंद पंक्तियों में कर पाना मुमकिन नहीं है। फिर भी उनके कुछ बड़े कार्यों का वर्णन तो किया ही जा सकता है। इन चारों जिलों के विकास और वहां जन सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए सांसद संतोष पाण्डेय ने बहुत कुछ कर दिखाया है, फिर भी श्री पाण्डेय को उससे जरा भी संतोष नहीं है। वे कहते हैं - अभी मुझे अपने जनता जनार्दन के लिए बहुत कुछ करना है। जीवन की अंतिम सांस तक मुझे जन सेवा में रत रहना है। सांसद संतोष पाण्डेय ने खेल, आस्था, आवागमन, पेयजल, शिक्षा, चिकित्सा, सड़क, रेल सेवा, कला संस्कृति जैसे हर क्षेत्र पर पूरा ध्यान देकर उल्लेखनीय कार्य कराए हैं। उक्त सभी जिलों और बस्तर के हित में उनके अप्रतिम योगदान को कभी भुलाया नहीं जा सकता। इन्हीं उत्कृष्ट कार्यों का मूल्यांकन करते हुए राजनांदगांव संसदीय क्षेत्र के मतदाता संतोष पाण्डेय को इस बार फिर लोकसभा में भेजने के लिए आतुर नजर आ रहे हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय की मंशा के अनुरूप सांसद संतोष पाण्डेय ने राजनांदगांव संसदीय क्षेत्र को अनेक सौगातें दिलाई हैं। इनमें राजनांदगांव रेलवे स्टेशन में दरभंगा - सिकंदराबाद एक्सप्रेस ट्रेन, रक्सौल - सिकंदराबाद एक्सप्रेस ट्रेन, वंदे भारत ट्रेन का स्टॉपेज शामिल हैं। वन्दे भारत एक्सप्रेस का डोंगरगढ़ में ठहराव। राजनांदगांव शहर की गौरीनगर क्रॉसिंग, स्टेशन पारा क्रॉसिंग में अंडर ब्रिज निर्माण सहित संसदीय क्षेत्र के बोरतालाब से लेकर मुढ़ीपार तक 12 ओवर ब्रिज और 3 अंडर ब्रिज निर्माणाधीन हैं।

सीमावती चांपा जंगल में जुआ खेलते 6 जुआरी गिरफ्तार

0-35 हजार रूपए व 04 बाइक सहित 05 मोबाइल जप्त

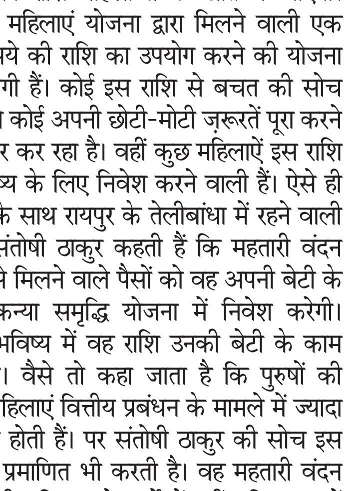

कोरबा, जिले के सक्ती एवं जांजगीर तथा कोरबा-करतला जिले के मध्यस्थ पडने वाले सीमावर्ती चांपा जंगल में जुआ खेल रहे आधा दर्जन जुआरियों को घेराबंदी कर रंगे हाथ पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। पकड़े गए 6 जुआरियों के फड़ से 35 हजार रुपए, 4 बाइक एवं 5 नग मोबाइल को धारा 3(2)- छत्तीसगढ़ जुआ प्रतिषेध अधिनियम 22 के तहत कार्रवाई की गई है। आरोपियों को रिमांड पर आज कोरबा न्यायालय पेश किया जा रहा है। जानकारी के अनुसार जिले के करतला पुलिस को लंबे समय से जानकारी मिल रही थी कि सक्ती, जांजगीर-चांपा एवं करतला कोरबा जिले के सीमावर्ती बार्डर पर स्थित चांपा जंगल में जुआरी फड़ सजाकर काफी संख्या में जुआ खेलते हैं। विशेषकर इन लोगों का पूरा नेटवर्क उमरेली चांपा क्षेत्र से शुरू होता है। मौका मिलते ही ये जुआरी जांजगीर इलाका छोडकर करतला में, करतला छोडकर सक्ती में, इस तरह सीमा विवाद को लेकर विवादास्पद स्थिति पैदा करते हुए इधर से उधर मौका निकाल लेते थे लेकिन इस बार जुआरियों की एक नहीं चली और करतला थाने में पदस्थ एएसआई मोतीलाल डडसेना, एएसआई शिव चंद्रा, आरक्षक विकास खूंटे, रामविलास चैहान, योगेश यादव व अन्य हमराह स्टाफके साथ बाराती के शक्ल में चांपा जंगल पहुंचे और मौका मिलते ही इन लोगों ने जुआरियों के फड़ पर धावा बोल दिया। हालांकि इसके बावजूद भी काफी जुआरी वहां से भागने में कामयाब रहे। बताया जाता है कि पकड़े गए जुआरियों के फड़ से 4 बाइक एवं 5 अच्छे किस्म के महंगे मोबाइल भी पुलिस के हत्थे लगे हैं। जिसे जब्त किया गया है। जुआरियों के फड़ से 34 हजार 340 रुपए नगद रकम भी पुलिस ने जब्त किया है। इसके साथ ही जुआरियों के विरूद्ध अपराध क्रमांक 21ध्24 धारा 3(2) छत्तीसगढ़ जुआ प्रतिषेध अधिनियम के तहत कार्रवाई की गई है। जुआरियों का प्रकरण विचारण के लिए कोरबा न्यायालय पेश किया जा रहा है। बीते वर्षों में कोरबा जिले का अरदा जंगल जुआरियों की गतिविधियों के कारण सुर्खियों में रहा। कुसमुंडा क्षेत्र के चर्चित पार्षद ने ठेके पर यहां जुआ अड्डा का संचालन शुरू कराया था। यहां पर रोजाना लाखों की फड़ लगने के साथ जुआरी और संचालक अच्छा मुनाफा कमाने में सफल रहे। कई स्तर पर सांठगांठ होने से य अड्डा लंबे समय तक फलता-फूलता रहा। उपर तक बात पहुंचने के बाद इसे बंद कराया गया।

संपादकीय

भारत माता का अपमान क्या थी एक सोची-समझी रणनीति

जैसे जैसे चुनाव नजदीक आ रहा है, विरोधी दलों के नेताओं की बौखलाहट बढ़ रही है और इस चक्कर में रोज सेल्फगोल कर रहे हैं। मंगलवार को मोदी-विरोधी मोर्चे के सहयोगी DMK के नेता ए. राजा ने फिर प्रभु राम के बारे में ज़हर उगला। यहां तक कह दिया कि बीजेपी के जय श्रीराम पर वो थूकते हैं। ए. राजा ने भारत को राष्ट्र मानने से इंकार कर दिया। कहा कि अगर बीजेपी भारत माता की जय का नारा लगाने को कहती है तो बिल्कुल नहीं लगाएंगे क्योंकि भारत कोई देश नहीं है, कोई राष्ट्र नहीं है, भारत तो राज्यों का समूह है और हर राज्य अपने आप में एक राष्ट्र है। ए. राजा ने कहा कि वो रामायण को नहीं मानते, रामचरित मानस को नहीं मानते, वो कंबन की रामायण को मानते हैं जिसमें राम ने एक दलित को भाई बनाया, एक बंदर को अपना भाई बनाया। ए. राजा ने यह बात रविवार 3 मार्च को कोयम्बटूर में मुख्यमंत्री एम. के. स्टालिन के जन्मदिन पर आयोजित एक जनसभा में कही। भरी सभा में हजारों कार्यकर्ताओं के सामने माइक पर चिल्ला-चिल्ला कर ए. राजा ने कहा कि अगर बीजेपी एक ईश्वर का नाम लेकर उनकी पूजा करने की बात थोपेगी तो तमिलनाडु की जनता इसे बिलकुल स्वीकार नहीं करेगी। ए. राजा ने राष्ट्र की अपनी परिभाषा भी दी। कहा कि राष्ट्र वह होता है, जहां एक जैसी संस्कृति हो, एक जैसी परंपराएं हों, एक भाषा हो। इस लिहाज से भारत कोई राष्ट्र नहीं है, भारत कई राष्ट्रों को मिलकर उपमहाद्वीप है। इसलिए अगर कोई ज़बरदस्ती भारत माता की जय का नारा लगाने का दवाब डालता है, तो तमिलनाडु की जनता इसे कभी स्वीकार नहीं करेगी।

वेदों की ऋचाएं होती हैं बेटियां ।

कलेजे का टुकड़ा होती हैं बेटियां,
घर का अहम हिस्सा होती हैं बेटियां,
वेदों की ऋचाएं होती हैं बेटियां,
आकाश की जगमगाती रोशनियां होती हैं बेटियां।
कुल का मान और स्वाभिमान होती है बेटियां।

कैसी सुखद घड़ी आई थी ,
जब तू हमारी जिंदगी में आई थी,
न जाने कितने चंदा जगमगयाए,
चांदनीयों की रोशनी लहराई थी।

घर के कोने कोने में छुपना छुपाना उसका,
नन्हे मुख से खिलखिलाना उसका,
अचानक गुस्से से रूठ जाना उसका,
फिर प्यार से गले लग जाना उसका।

बेटियां तो घर के दीपक की बाती होती हैं
हमारा घर भी तो बेटियां ही जगमगाती है,
मेरी आत्मा तभी चैन पाती है
बेटी जब भी गले लग जाती है।

उंगली पकड़कर चलना सीखा था उसने, आज मैं
लड़खड़ाइ तो हाथ थामा था उसने, मेरे आंसुओं को
अपनी आंखों में छुपाया था उसने, आज देखो मेरी मां
बनकर दुनिया दिखाया था उसने।

मां बाप के घर पली-बढ़ी आगे चली,
मायके से दूर जा रही गुलाब की
चेहरे पर लिए मां-बाप की लाली,
उसकी यादों में लिख दे हम एक लंबी कहानी।

बात बात में अब भी रूठ कर करती वह मनमानी, पर मां-
बाप की आंखों में ना आने देती कभी पानी।
बड़ी होकर काम ऐसे करती
जैसे घर की हो सयानी नानी,
मां-बाप की आंखों में ना
आने देती कभी दुखों का पानी।

इतनी बड़ी होकर भी पापा की
वह अब भी नन्ही परी,
पापा जी भर के देखो
जाती है आपकी वही बेटी प्यारी।

पापा की परी हुई अब सयानी,
नई जिंदगी की लिखने कहानी।
डर है दूर जाने का
पराए हो जाने का,
अपनों के दूर हो जाने का,
ससुराल के रंग में
पूरा का पूरा रंग जाने का ।

अब विवाह का शगुन आया
पापा की परी का मन घबराया,
अनुनय विनय करती ईश्वर से
कभी उठने ना पाए पीहर का साया,

बचपन की सारी बातें याद आएंगी,
वह पल पल मन ही मन रुलाएगी।
मम्मी पापा तुमने हमें चलना सिखाया,
अपने आंसुओं को रोक हमें हंसना सिखाया।

अपनी खुशियों के लिए कभी
ना होगी उदास ना रोउंगी,
अपने पीहर की तरह ही
ससुराल को भी स्वर्ग बनाऊंगी।

पापा आप की लाडली नन्ही परी
देखो अब कितनी पराई हो चली।
माँ जिन हाथों से तुमने अन्न का दाना खिलाया,
बनाया अपनी प्रतिकृति और अपनी छाया,
अब तुम दिल और आंखों से रोना मत
क्योंकि अब विदाई का समय आया,
और पराया होने का समय आया,
अपनों से बिछड़ने का समय आया,
आपकी प्यारी बिटिया।

– संजीव ठाकुर,

महामृत्युंजय मंत्र से होती है जीव की रक्षा

पं. चन्द्रभूषण शुक्ला, प्रचारक संस्कृत भाषा

भगवान भोलेनाथ की भक्ति एवं पूजा एकदम सरल है। बाबा भोलेनाथ को एक लोटा जल, बिल्व पत्र, पुष्प जो मिल जाए उसी मे प्रसन्न हो जाते हैं। इनकी आराधना मे महामृत्युंजय मंत्र का विशेष स्थान है। मंत्र - त्र्यम्बकं यजामहे सुगन्धिं पुष्टिवर्धन।

उर्वारुकमिव बन्धनान् मृत्योर्मुक्षीय मामृतात्॥

देवाधिदेव महादेव ही एक मात्र ऐसे भगवान हैं, जिनकी भक्ति हर कोई करता है, चाहे वह इंसान हो, राक्षस हो, भूत-प्रेत हो अथवा देवता हो, यहां तक कि पशु-पक्षी, जलचर, नभचर, पाताललोक वासी हो अथवा बैकुण्ठवासी हो, शिव की भक्ति हर जगह हुई और जब तक दुनिया कायम है, शिव की महिमा गाई जाती रहेगी। शिव पुराण कथा के अनुसार शिव ही ऐसे भगवान हैं, जो शीघ्र प्रसन्न होकर अपने भक्तों को मनचाहा वर दे देते हैं, वे सिर्फ अपने भक्तों का कल्याण करना चाहते हैं, वे यह नहीं देखते कि उनकी भक्ति करने वाला इंसान है, राक्षस है, भूत-प्रेत है या फिर किसी और योनि का जीव है, शिव को प्रसन्न करना सबसे आसान है।

शिवलिंग की महिमा अपरम्पार है, शिवलिंग में मात्र जल चढ़ाकर या बेलपत्र अर्पित करके भी शिव को प्रसन्न किया जा सकता है, इसके लिए ज्यादा विशेष पूजन विधि की आवश्यकता भी नहीं है। एक कथा के अनुसार वृत्तासुर के आतंक से देवता भयभीत थे, वृत्तासुर को श्राप था कि वह शिव पुत्र के हाथों ही मारा जायेगा। इसलिए पार्वती के साथ शिवजी का विवाह कराने के लिए सभी देवता चिंतित थे, क्योंकि भगवान शिव समाधिस्थ थे और जब तक समाधि से उठ नहीं जाते, विवाह कैसे होता? देवताओं ने विचार करके रति व कामदेव से शिव की समाधि भंग करने का निवेदन किया, कामदेव ने शिवजी को जगाया तो क्रोध में शिव ने कामदेव को भस्म कर दिया, रति विलाप करने लगी तो शिव ने वरदान दिया कि द्वापर में कामदेव भगवान श्रीकृष्ण के पुत्र प्रद्युम्न के रूप में जन्म लेंगे।

इस बात में तो सभी यकीन करते होंगे, कि वक़्त से पहले और किस्मत से ज्यादा किसी को कुछ नहीं मिलता, पर यह सभी जानते है कि वक़्त और किस्मत पर भी विजयी हो सकते हैं, अगर आप भगवान् भोलेनाथ की असीम शक्ति में विश्वास रखते है, इसके उदाहरण स्वरुप मैं एक कथा बताना चाहूंगा। भगवान शिव यानि देवाधिदेव महादेव को तो सब जानते हैं जो परमपिता परमेश्वर, जगत के स्वामी और सब देवो के देव है, कथा से पहले आपको यह बता दूँ की यह वह समय हैं, जब महादेव की अर्धांगिनी देवी पार्वती, बाल्यवस्था में अपनी माता मैना देवी के साथ मार्कंडेय ऋषि के आश्रम में रहती थी, और पार्वती देवी एक दिन असुरो के कारण संकट में पड़ गयी और महादेव ने उनके प्राणों की रक्षा की। मैना ने जब अपनी पुत्रि की जान पर आई आपदा के बारे में सुना तो वह अत्यंत दुखी और भयभीत हो गयी, पर ऋषि मार्कंडेय ने उन्हें जब बताया कि कैसे महादेव ने देवी पार्वती की रक्षा की, पर वह तब भी संतोष न कर सकी, मैना देवी विष्णु भगवान की उपासक थी, जिस वजह से शिव की महिमा में ज़रा भी विश्वास नहीं रखती थी, शिवजी ठहरे वैरागी और शमशान में रहने वाले तो भला वह कैसे उनकी पूजा करे।

तत्पश्चात ऋषि मार्कंडेय ने मैना को शिव भगवान की महिमा के बारे में बताने का विचार किया, और उनको यह कथा विस्तार से बताई- जब मार्कंडेय ऋषि केवल ग्यारह वर्ष के थे, तब उनके पिता ऋषि मृकण्डु को गुरुकूल आश्रम के गुरु से यह ज्ञात हुआ की मार्कंडेय की सारी शिक्षा-दीक्षा पूर्ण हो चुकी है और अब वह उन्हें अपने साथ ले जा सकते है, क्योंकि उन्होंने सारा ज्ञान इतने कम समय में ही अर्जित कर लिया और अब उनको और ज्ञान देने के लिए कुछ शेष नहीं था, यह जानने के बाद भी की उनका पुत्र मार्कंडेय इतना बुद्धिमान और ज्ञानवान है, उनके माता पिता खुश नहीं हुयें, मार्कंडेय ने जब पूछा की उनके दुःख का कारण क्या है? तब उनके पिता ने उनके जन्म की कहानी बताई कि पुत्र की प्राप्ति हेतु उन्होंने और उनकी माता ने कई वर्षो तक कठिन और घोर तप किया है। तब भगवान् महादेव प्रसन्न होकर प्रकट हुयें, और उनको इस बात से अवगत कराया की उनके भाग में संतान सुख नहीं है, परन्तु उनके तप से प्रसन्न होकर उनको पुत्र का वरदान दिया, और उनसे पूछा की वह कैसा पुत्र चाहते है, जो बुद्धिवान ना हो पर उसकी आयु बहुत ज्यादा हो या ऐसा पुत्र जो बहुत बुद्धिमान हो परन्तु जिसकी आयु बहुत कम हो।

मृकण्डु और उनकी पत्नी ने कम आयु वाला पर बुद्धिमान पुत्र का वरदान माँगा, महादेवजी ने उनको बताया की यह पुत्र केवल बारह वर्ष तक ही जीवित रहेगा, वह फिर विचार कर ले, पर उन्होंने वही माँगा और महादेव उनको वरदान देकर भोलेनाथ अंतर्ध्यान हो गये, ऋषि मृकंदु ने यह सब अपने पुत्र को बताया, जिसको सुनने के बाद वह बहुत दुःखी हुआ, यह सोचकर की वह अपने माता -पिता की सेवा नहीं कर सकेगा। परन्तु बालक मार्कंडेय ने उसी समय यह निर्णय किया की वह अपनी मृत्यु पर विजय प्राप्त करेंगे और भगवान शिव की पूजा से यह हासिल करेंगे, बालक मार्कंडेय ग्यारह वर्ष की आयु में वन को चले गयें, लगभग एक वर्ष के कठिन तप के दौरान उन्होंने एक नए मंत्र की रचना की जो मृत्यु पर विजय प्राप्त कर सके, वह है- ?

त्रयम्बकं यजामहे, सुगन्धिं पुष्टिवर्धनं, उर्वारुकमिव बन्धनात मृत्योर्मोक्षिय मामृताः-

जब वह 12 वर्ष के हुए तब यमराज उनके सामने, प्राण हरण के लिये प्रकट हो गये, बालक मार्कंडेय ने यमराज को बहुत समझया और याचना की, कि वह उनके प्राण बक्श दे, परन्तु यमराज ने एक ना सुनी और और वह यमपाश के साथ उनके पीछे भागे बालक मार्कंडेय भागते-भागते वन में एक शिवलिंग तक पहुचे जिसे देख कर वह उनसे लिपट गये, और भगवान् शिव का मंत्र बोलने लगे जिसकी रचना उन्होंने स्वयं की थी।

यमराज ने बालक मार्कंडेय की तरफ फिर से अपना यमपाश फेका परन्तु शिवजी तभी प्रकट हुए और उनका यमपाश अपने त्रिशूल से काट दिया, बालक मार्कंडेय शिवजी के चरणों में याचना करने लगे की वह उनको प्राणों का वरदान दे, परन्तु महादेव ने उनको कहा की उन्होंने ही यह वरदान उनके माता-पिता को दिया था, इस पर बालक मार्कंडेय कहते है कि यह वरदान तो उनके माता पिता के लिये था ना कि उनके लिये। यह सुनकर महादेव बालक मार्कंडेय से अत्यंत प्रसन्न होते है और उनको जीवन का वरदान देते है, भगवान् भोलेनाथ ने यमराज को आदेश देते है की वह इस बालक के प्राण ना ले।

इस कथा से इस बात पर पुनः विचार करने का मन होता है की भक्ति में बहुत शक्ति है*, ऐसा क्या नहीं है जो इस संसार में ईश्वर की भक्ति करने से प्राप्त ना किया जा सके, भगवान् भोलेनाथ की भक्ति और शक्ति की महिमा का बहुत बड़ा महात्म्य है।

यह निजी विचार है।

महिला-क्रांति के विस्फोट की संभावना

ललित गर्ग
लेखक, पत्रकार, स्तंभकार

महिलाओं की भागीदारी को हर क्षेत्र में बढ़ावा देने और महिलाओं को उनके अधिकारों के बारे में जागरूक करने के लिए हर वर्ष अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस मनाया जाता है। महिला अधिकार कार्यकर्ता रहीं क्लारा जेटकिन ने 1910 में अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस की बुनियाद रखी थी। डेनमार्क की राजधानी कोपेनहेगेन में कामकाजी महिलाओं के अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में उन्होंने इसका सुझाव दिया था। जिसके बाद साल 1911 में ऑस्ट्रिया, डेनमार्क, जर्मनी और स्विट्जरलैंड में पहला अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस मनाया गया था। इस दिन को सामाजिक, आर्थिक, सांस्कृतिक, राजनीतिक और कई दूसरे क्षेत्रों में अपना अहम योगदान देने वाले महिलाओं को सम्मानित किया जाता है। साल 2024 की थीम है- 'इंस्पायर इंक्लूजन' इसका मतलब है एक ऐसी दुनिया, जहां हर किसी को बराबर का हक और सम्मान मिले, जिससे अपनेपन, प्रासंगिकता और सशक्तिकरण की भावना आती है। परिवार, समाज, देश एवं दुनिया के विकास में जितना योगदान पुरुषों का है, उतना ही महिलाओं का। हालांकि महिलाओं को पुरुषों के समान उतने अधिक सम्मान, अवसर एवं स्वतंत्रता नहीं मिलती। लेकिन नया भारत-सशक्त भारत के निर्माण की प्रक्रिया में महिलाएं घर परिवार की चार दीवारों को पार करके राष्ट्र निर्माण में अभूतपूर्व योगदान दे रही हैं।

महिलाओं के सशक्तिकरण के लिए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने उल्लेखनीय कदम उठाये हैं। चाहे उज्ज्वला योजना के द्वारा उन्हें गैस सिलिंडर दिलाना हो, गावों में घरों और शौचालय का निर्माण हो या नारी शक्ति वंदन अधिनियम को संसद में पास कराना। आज दुनिया के सभी देश इस बात को मान रहे है की मोदी के नेतृत्व में भारत की महिलाएं बहुत आगे बढ़ रही है। खेल जगत से लेकर मनोरंजन जगत तक और राजनीति से लेकर सैन्य व रक्षा तक में महिलाएं बड़ी भूमिका में हैं। बात भारतीय या अभारतीय नारी की नहीं, बल्कि उसके प्रति दृष्टिकोण की है। आवश्यकता इस दृष्टिकोण को बदलने की है, जरूरत सम्पूर्ण विश्व में नारी के प्रति उपेक्षा एवं प्रताड़ना को समाप्त करने की है। इस दिवस की सार्थकता तभी है जब महिलाओं को विकास में सहभागी ही न बनाये बल्कि उनके अस्तित्व एवं अस्मिता को नौंचने की वीभत्सताओं एवं त्रासदियों पर विराम लगे, ऐसा वातावरण बनाये।

आजादी के बाद से राष्ट्र के विकास के साथ, भारतीय महिलाओं को राष्ट्र की प्रगति और विकास में समान भागीदार बनने के लिये अधिकारों और अवसरों की प्राप्ति हुई है। सावित्रीबाई फुले, कस्तूरबा गांधी, सरोजिनी नायडू, आनंदीबाई गोपालराव जोशी, इन्दिरा गांधी से लेकर इंदिरा नुई, सायना नेहवाल, टीना डबी, सावित्री जिन्दल जैसी हस्तियों के रूप में महिलाओं ने सार्वजनिक और निजी जीवन के सभी क्षेत्रों में अपनी शूरवीरता एवं अपने कौशल का परिचय दिया है। नई शताब्दी में भारत में महिलाएं अपनी स्वयं की विशिष्ट पहचान के साथ मुक्त और स्वतंत्र व्यक्तित्व के तौर पर समाज द्वारा उन्हें सौंपी गई अविभाज्य साथी, राष्ट्र-निर्माता और विकास की विभिन्न भूमिकाओं को बेखूबी निभाया हैं। वह अब पूर्व की भांति पूरी तरह चूल्हा और रसोई में ही नहीं लगी रहतीं। वे अब स्वयं और सभी मानवजाति के लिये नये संसार में विश्वास की नई ऊंचाइयों के लिये उड़ान भर रही हैं। राष्ट्र के आर्थिक जीवन में महिलाओं को किसी भी तरह से पीछे नहीं छोड़ा जा सकता। वैश्विक अर्थव्यवस्था की तेजी के युग में भारत के दुनिया की तीसरी आर्थिक महाशक्ति बनने में बहुत-सी महिलाओं ने अपने को सफल उद्यमियों एवं व्यावसायिक के तौर पर साबित किया है। राजनीति में महिलाएं लंबे समय से सक्रिय रही हैं। हालांकि तब भी उन्हें नेतृत्व करने की अनुमति नहीं दी जाती थी। लेकिन भारत ऐसा पहला देश था जिसकी प्रधानमंत्री एवं राष्ट्रपति एक महिला बनी। यहां तक कि अमरीका भी अपने देश के सर्वोच्च पद के लिये किसी महिला का चुनाव नहीं कर पाया है।

महिला दिवस पर महिलाओं से जुड़े मामलों जैसे महिलाओं की स्थिति, कन्या भ्रूण हत्या की बढ़ती घटनाएं, लड़कियों की तुलना में लड़कों की बढ़ती संख्या, गांवों में महिला की अशिक्षा एवं शोषण, महिलाओं की सुरक्षा, महिलाओं के साथ होने वाली बलात्कार की घटनाएं, अश्लील हरकतें और विशेष रूप से उनके खिलाफ होने वाले अपराध को एक बार फिर चर्चा में लाकर सार्थक वातावरण का निर्माण किया जाये। महिला दिवस जैसे आयोजनों, तमाम सरकारी प्रयत्नों एवं सामाजिक जन-चेतना के बावजूद एक टीस सी मन में उठती है कि आखिर नारी कब तक भोग की वस्तु बनी रहेगी? उसका जीवन कब तक खतरों से घिरा रहेगा? बलात्कार, छेड़खानी, भ्रूण हत्या और दहेज की धधकती आग में वह कब तक भस्म होती रहेगी? कब तक उसके अस्तित्व एवं अस्मिता को नौचा जाता रहेगा? विडम्बनापूर्ण तो यह है कि महिला दिवस जैसे आयोजन भी नारी को उचित सम्मान एवं गौरव दिलाने की बजाय उनका दुरुपयोग करने के माध्यम बनते जा रहे हैं। महिला समाज को अपनी प्रतिरोधात्मक शक्ति को विकसित कर जागृत जीवन जीने का अभ्यास करना है। उसे अपनी परम्परागत महत्व एवं शक्ति को समझना होगा, वैदिक परंपरा दुर्गा, सरस्वती, लक्ष्मी के रूप में, बौद्ध अनुयायी चिरंतन शक्ति प्रज्ञा के रूप में और जैन धर्म में श्रुतदेवी और शासनदेवी के रूप में नारी की आराधना होती रही है। लोक मान्यता के अनुसार मातृ वंदना से व्यक्ति को आयु, यश, स्वर्ग, कीर्ति, पुण्य, बल, लक्ष्मी पशुधन, सुख, धनधान्य आदि प्राप्त होता है, फिर क्यों नारी की अवमानना होती है?

नारी का दुनिया में सर्वाधिक गौरवपूर्ण सम्मानजनक स्थान है। नारी धरती की धुरा है। स्नेह का स्रोत है। मांगल्य का महामंदिर है। परिवार की पीढ़िका है। पवित्रता का पैगाम है। उसके स्नेहिल साए में जिस सुरक्षा, शीतलता और शांति की अनुभूति होती है वह हिमालय की हिमशिलाओं पर भी नहीं होती। नारी जाति के अलंकरण हैं-सादगी और सात्विकता। सोने, चांदी, हीरे, मोती आदि से निर्मित आभूषण उसके सहज सौंदर्य को आवरित ही कर सकते हैं, निखार नहीं दे सकते। सत्यं, शिवं सुंदरं की समन्विति कृत्रिम संसाधनों से नहीं, अनंत स्तेज को निखारने से हो सकती है। सुप्रसिद्ध कवयित्रि महादेवी वर्मा ने ठीक कहा था-'नारी सत्यं, शिवं और सुंदर का प्रतीक है। उसमें नारी का रूप ही सत्य, वात्सल्य ही शिव और ममता ही सुंदर है। इन विलक्षणताओं और आदर्श गुणों को धारण करने वाली नारी फिर क्यों बार-बार छली जाती है, लूटी जाती है? स्वतंत्र भारत में यह कैसा समाज बन रहा है, जिसमें महिलाओं की आजादी छीनने की कोशिशें और उससे जुड़ी हिंसक एवं त्रासदीपूर्ण घटनाओं ने बार-बार हम सबको शर्मसार किया है।

'यत्र पूज्यंते नार्यस्तु तत्र रमन्ते देवता'- जहां नारी की पूजा होती है, वहां देवता निवास करते हैं। किंतु आज हम देखते हैं कि नारी का हर जगह अपमान होता चला जा रहा है। उसे 'भोग की वस्तु' समझकर आदमी 'अपने तरीके' से 'इस्तेमाल' कर रहा है, यह बेहद चिंताजनक बात है। कानून का संरक्षण नहीं मिलने से औरत संघर्ष के अंतिम छोर पर लड़ाई हारती रही है। इसीलिये आज की औरत को हाशिया नहीं, पूरा पृष्ठ चाहिए। पूरे पृष्ठ, जितने पुरुषों को प्राप्त हैं। प्राचीन काल में भारतीय नारी को विशिष्ट सम्मान दिया जाता था। सीता, सती-सावित्री आदि अगणित भारतीय नारियों ने अपना विशिष्ट स्थान सिद्ध किया है। इसके अलावा अंग्रेजी शासनकाल में भी रानी लक्ष्मीबाई, चाँद बीबी आदि नारियाँ जिन्होंने अपनी सभी परंपराओं आदि से ऊपर उठ कर इतिहास के पन्नों पर अपनी अमिट छाप छोड़ी। लेकिन समय परिवर्तन के साथ साथ देखा गया की देश पर अनेक आक्रमणों के पश्चात् भारतीय नारी की दशा में भी परिवर्तन आने लगे। अंग्रेजी और मुस्लिम शासनकाल के आते-आते भारतीय नारी की दशा अत्यंत चिंतनीय हो गई। दिन-प्रतिदिन उसे उपेक्षा एवं तिरस्कार का सामना करना पड़ता था। इसके साथ साथ भारतीय समाज में आई सामाजिक कुरीतियाँ जैसे सती प्रथा, बाल विवाह, पर्दा प्रथा, बहू पति विवाह और हमारी परंपरागत रूढ़िवादिता ने भी भारतीय नारी को दीन-हीन कमजोर बनाने में अहम भूमिका अदा की। लेकिन अब हम आजादी का अमृत महोत्सव मना चुके हैं, अमृत काल में नारी का जीवन भी अमृतमय बने, यही अन्तर्राष्ट्रीय महिला दिवस मनाने को वास्तविक अर्थ दे सकता है।

यह निजी विचार है।

समानता की अर्थव्यवस्था के प्रति मार्ग प्रशस्त कर रही हैं महिलाएं

पिछले दशक में भारत ने महिला श्रम बल भागीदारी दर (डब्ल्यूएलएफ्पीआर) को बढ़ाने की दिशा में महत्वपूर्ण प्रगति की है। कार्यबल में महिलाओं और विशेष रूप से युवतियों की भागीदारी बढ़ाने की परिवर्तनकारी क्षमता बहुत अधिक है, जो न केवल आर्थिक विकास को बढ़ावा देने का वादा करती है, बल्कि सामाजिक परिवर्तन को भी प्रेरित करती है। दिलचस्प बात तो यह है कि पिछले दशक में व्यापक सामाजिक-आर्थिक बदलावों, नीतिगत उपायों और महिलाओं के कामकाज के संबंध में सामाजिक मानदंडों में आए बदलावों को दर्शाती डब्ल्यूएलएफ्पी की वृद्धि संभवतः पिछली सदी में देखी गई वृद्धि से भी अधिक महत्वपूर्ण हो सकती है।

महिला श्रम बल भागीदारी के लिए निर्णायक दशक

भारत ने महिलाओं के रोजगार को बढ़ावा देने के लिए कई पहल और नीतियां लागू की हैं, जो कार्यबल में महिला-पुरुष संतुलन को बढ़ावा देने की दिशा में महत्वपूर्ण प्रगति को दर्शाती हैं। इन प्रमुख पहलों में प्रधानमंत्री मुद्रा योजना शामिल है, जिसका उद्देश्य छोटे कारोबार शुरू करने के लिए बिना किसी गारंटी के ऋृण प्रदान करके महिला उद्यमियों को प्राथमिकता देना है। इसके अतिरिक्त, बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ अभियान लड़कियों की शैक्षिक स्थिति को बेहतर बनाने में सहायक रहा है, जिसका सीधा प्रभाव भविष्य में उनकी रोजगार की संभावनाओं पर पड़ता है। ये प्रयास कार्यस्थल पर सुरक्षा और विविधता सुनिश्चित करने संबंधी कॉर्पोरेट नीतियों के साथ मिलकर श्रम बाजार में महिलाओं के लिए बाधाओं को दूर करने के संबंध में व्यापक दृष्टिकोण दर्शाते हैं।

आवधिक श्रम बल सर्वेक्षण (पीएलएफ्एस) कार्यबल में महिलाओं की भागीदारी में 13.9 प्रतिशत की वृद्धि दर्शाता है, जो 2017-18 में 22 प्रतिशत से बढ़कर 2022-23 में 35.9 प्रतिशत हो गई। यह सकारात्मक रुझान राजनीतिक और नौकरशाही (सार्वजनिक), कॉर्पोरेट (निजी) और युवतियों की इच्छाशक्ति का प्रमाण है। दुनिया की सबसे बड़ी युवा आबादी के रूप में, भारत आर्थिक अवसरों के लिए तैयार है, इस सार्वजनिक-निजी-युवा इकोसिस्टम को और मजबूत बनाना तथा उच्चतम स्तर पर नीति निर्माण को सूचित करने के लिए युवतियों को समान भागीदार के रूप में शामिल करना महत्वपूर्ण है।

श्रम एवं रोजगार मंत्रालय (एमओएलई) के परामर्श की प्रेरणादायी भूमिका

डब्ल्यूएलएफ्पीआर में सुधार लाने के आलोक में, सरकार, सिविल सोसायटी, उद्योग संघों और बहुपक्षीय एजेंसियों के प्रतिनिधित्व के साथ एक कार्य बल बनाने की दिशा में एमओएलई के प्रयास सराहनीय हैं। इस कार्यबल की चर्चाओं से प्राप्त महत्वपूर्ण निष्कर्ष को 'महिलाओं के लिए समानता, सशक्तिकरण सुनिश्चित करना' शीर्षक से नियोक्ताओं के लिए परामर्श के रूप में संकलित किया गया है, जो हितधारकों के बीच सहयोगात्मक दृष्टिकोण की शक्ति को सुदृढ़ बनाता है। यह कामकाज के अनुकूल वातावरण, समान वेतन प्रथाओं और कार्यबल में विशेष रूप से महिलाओं की आवश्यकताओं के अनुरूप स्वास्थ्य और सुरक्षा मानकों को सुनिश्चित करने के महत्व को रेखांकित करता है।

बाधाएं दूर करना

काम के लचीले घंटों और बच्चों की देखरेख की सुविधाओं जैसे उपायों की सिफ्रिश करते हुए इस परामर्श का उद्देश्य श्रम बाजार में महिलाओं की भागीदारी को सीमित करने वाली कुछ प्राथमिक बाधाओं को दूर करना है।

निर्माण कार्य में संलग्न श्रमिकों, प्रवासी श्रमिकों तथा सूक्ष्म, मध्यम और लघु उद्यमों में काम करने वाली महिलाओं के लिए जेंडर न्यूट्रल क्रेच और महिलाओं के कामकाजी केंद्रों के प्रावधानों के महत्व पर समान रूप से जोर दिया गया है। आवागमन और बच्चों को जन्म देने से संबंधित सामाजिक बाधाएं दो सबसे महत्वपूर्ण कारक हैं, जो युवतियों के कार्यबल में प्रवेश और पुनःप्रवेश को बाधित करते हैं। परामर्श में चित्रित किए गए संलग्न क्रेच और बुजुर्गों की देखभाल की सुविधाओं युक्त महिला कामकाजी केंद्रों/छात्रावासों के विजन को साकार करने की दिशा में सरकार और निजी क्षेत्र के बीच सहयोगात्मक प्रयास महत्वपूर्ण होंगे। इसमें सुरक्षा, संरक्षा, स्वास्थ्य संबंधी देखरेख के प्रावधानों युक्त विश्वस्तरीय सुविधाओं वाले गुणवत्तापूर्ण बुनियादी ढांचे का निर्माण, परिवर्तन और विकल्पों के प्रतिनिधि के रूप में युवतियों को विकसित करना और उनके निर्णय लेने की क्षमताओं को मजबूत करना शामिल होगा। सिविल सोसायटी और बहुपक्षीय एजेंसियों की सहायता समुदायों और परिवारों के व्यवहार में बदलाव लाने को बढ़ावा देगी, ताकि वे इन केंद्रों को युवतियों के लिए आर्थिक सशक्तिकरण की दिशा में अपनी आकांक्षाओं को आगे बढ़ाने का स्थान मान सकें।

कोविड-19 के कारण कार्यस्थलों को देखने का हमारा नजरिया बदल रहा है, तथा ज्यादातर नौकरियां हाइब्रिड और रिमोट प्रारूप में बदल गई हैं, ऐसे में प्रौद्योगिकी पारंपरिक कार्यस्थल की बारीकियों को खत्म करने में परिवर्तनकारी साबित हो सकती है। टेलीवर्किंग सुविधाओं सहित महिला-पुरुष सभी के लिए लचीले अवसरों के प्रावधान को इस तथ्य को सुदृढ़ करने के लिए परामर्श में रेखांकित किया गया है कि देखभाल एक सामूहिक जिम्मेदारी होनी चाहिए और महिलाओं को खुद पर पड़ने वाले देखभाल के असंगत बोझ के कारण रोजगार से बाहर नहीं हो जाना चाहिए।

ये घटनाक्रम महिलाओं के व्यापक आर्थिक सशक्तिकरण की दिशा में प्रगतिशील, हालांकि चुनौतीपूर्ण, मार्ग सुझाते हुए, इन लाभों को बरकरार रखने और संवर्धित करने के लिए निरंतर नीतिगत फोकस और सामाजिक परिवर्तन की आवश्यकता पर बल देते हैं।

महिलाएं शतक लगाएंगी

भारत कामकाजी लोगों की अधिक आबादी के साथ जनसांख्यिकीय लाभांश के शिखर पर है, ऐसे में महिला कार्यबल की क्षमता का पता लगाना सामाजिक न्याय और रणनीतिक आर्थिक अनिवार्यता का मामला है। समाज के सभी क्षेत्रों के ठोस प्रयासों के साथ एमओएलई का परामर्श कार्रवाई का खाका पेश करता है।

आगे की यात्रा चुनौतीपूर्ण है, लेकिन इसका प्रतिफ्ल-आर्थिक सुदृढ़ता, सामाजिक कल्याण और मानव सामर्थय की पूर्ति-पहुंच के भीतर हैं, जो वैश्विक मंच पर भारत की उन्नति के प्रयास को न केवल आवश्यक बल्कि अनिवार्य बनाता है।

इन सिफ्रिशों को अपनाकर और डब्ल्यूएलएफ्पीआर को बढ़ाने के निरंतर प्रयासों के लिए प्रतिबद्ध होकर भारत समावेशी सामाजिक एवं आर्थिक समानता और अपने सभी नागरिकों के उज्जवल भविष्य की दिशा में रास्ता निर्धारित कर सकता है। India@100 के लिए आर्थिक विकास का नेतृत्व करने वाले 'नायक' वास्तव में सक्षम नारियां हैं.

- धुवाराखा श्रीराम,
यूनिसेफइंडिया में युवाह की प्रमुख
यह निजी विचार है।

मेडिकल प्रतिष्ठानों में अनियमितता पाए जाने पर लाइसेंस निलंबित

जांजगीर-चांपा उपसंचालक, खाद्य एवं औषधि प्रशासन, जिला जांजगीर चांपा छ.ग. द्वारा मेडिकल प्रतिष्ठानों में निरीक्षण के दौरान पाई गई अनियमितताओं के आधार पर प्रतिष्ठानों को नोटिस जारी किया। जिसके जवाब का अवलोकन करने के पश्चात् गुण दोष के आधार पर उक्त प्रतिष्ठानों का लाइसेंस 05 से 15 दिवस के लिए निलंबित किया गया है। सहायक औषधि नियंत्रक खाद्य एवं औषधि प्रशासन ने बताया कि शिवसक्ति मेडिकल स्टोर्स, ग्राम मेंहदा, ब्लॉक नवागढ़ 07 दिवस, मेसर्स शारदा मेडिकल स्टोर्स कसेरपारा सक्ती, 07 दिवस, श्री शिवाय मेडिकल स्टोर्स, शिवरीनारायण, नवागढ़ 07 दिवस, मेसर्स संजय मेडिकल स्टोर्स, ग्राम पोड़ी खुर्द, बम्हनीडीह 07 दिवस, मेसर्स यादव मेडिकल स्टोर्स, ग्राम दर्राभाठा, ब्लॉक जैजेपुर 12 दिवस, मेसर्स मान्या मेडिकल स्टोर्स, ग्राम कोटेतरा, ब्लॉक जैजेपुर, 12 दिवस, मेसर्स कृष्णा मेडिकल स्टोर्स, नया बाराद्वार सक्ती 07 दिवस, मेसर्स संदीप मेडिकलस्टोर्स, बस स्टैण्ड बाराद्वार 10 दिवस, श्री धनवतंरी जेनेरिक मेडिकल स्टोर्स, ग्राम खरौद, पामगढ़ 15 दिवस, मेसर्स मा प्रज्ञा मेडिकल टोर्स, पामगढ़ 07 दिवस, मेसर्स थवाईत मेडिकल स्टोर्स, पामगढ़ 03 दिवस, मेसर्स नंदू मेडिकल स्टोर्स, ग्राम अवरीद नवागढ़ 07 दिवस, मेसर्स युवराज मेडिकल स्टोर्स, ग्राम झलझला अकलतरा 15 दिवस, मेसर्स अशोक मेडिकल स्टोर्स, जांजगीर, नवागढ़ 05 दिवस, मेसर्स लक्ष्मी मेडिकोस, डभरा 12 दिवस मेसर्स आर.डी.सी. वर्षा मेडिकल टोर्स, ग्राम कलमी, ब्लॉक मालखरौदा का 10 दिवस के लिए लाइसेंस निलंबित किया गया है।

अग्निवीर थलसेना में चयनित युवाओं का 9 मार्च को होगा सम्मान समारोह का आयोजन

जांजगीर-चांपा भारतीय थलसेना द्वारा अग्निवीर में भर्ती हेतु 15 दिसम्बर से 23 दिसम्बर तक सीईई परीक्षा उत्तीर्ण युवाओं का शारीरिक दक्षता परीक्षा आयोजित की गई थी। जिला रोजगार अधिकारी ने बताया कि उक्त परीक्षा में इस जिले से 171 युवा सफ्ल हुए है एवं अग्निवीर थलसेना में अंतिम रूप से चयनित हुए है। जिला प्रशासन जांजगीर-चांपा द्वारा चयनित युवाओं का 9 मार्च 2024 को प्रातः 11 बजे रोजगार कार्यालय जांजगीर चांपा में सम्मान समारोह आयोजित किया जाना है। जिला रोजगार अधिकारी चयनित युवा सम्मान समरोह में शामिल होने हेतु दिनांक रोजगार कार्यालय जांजगीर चांपा में उपस्थित होने का आग्रह किया है।

वायु सैनिक समूह वाई (गैर तकनीकी) मेडिकल असिस्टेंट ट्रेड में प्रवेश के लिए 28 मार्च से 05 अप्रैल को भर्ती रैली

जांजगीर-चांपा भारतीय वायुसेना द्वारा वायु सैनिक समूह वाई (गैर तकनीकी) मेडिकल असिस्टेंट ट्रेड में प्रवेश के लिए 28 मार्च 2024 से 05 अप्रैल 2024 तक लाल परेड ग्राऊंड भोपाल मध्यप्रदेश में भर्ती रैली आयोजित की गई है। छत्तीसगढ़ राज्य के समस्त जिलों के चिकित्सा सहायक के उम्मीदवारों के लिए रैली की निर्धारित तिथि 28 मार्च 2024 को प्रातः 6 बजे निर्धारित है। रिपोर्टिंग टाईम का अंतिम समय 10 बजे तक है। छत्तीसगढ़ राज्य के समस्त जिलों के चिकित्सा सहायक (फ्र्मेसी में डिप्लोमा, बी.एस.सी.) के उम्मीदवारों के लिए रैली की निर्धारित तिथि 03 अप्रैल 2024 को प्रातः 6 बजे निर्धारित है। रिपोर्टिंग टाईम का अंतिम समय 10 बजे तक है। जिला रोजगार अधिकारी ने बताया कि चिकित्सा सहायक (102) वाले अविवाहित उम्मीदवार का जन्म 24 जून 2003 और 24 जून 2007 (दोनों तिथियां सम्मिलित) के बीच हुआ हो। चिकित्सा सहायक (फ्र्मेसी में डिप्लोमा/बी.एस.सी) वाले अविवाहित उम्मीदवार का जन्म 24 जून 2000 और 24 जून 2005 (दोनों तिथियां सम्मिलित) के बीच हुआ हो। विवाहित उम्मीदवार का जन्म 24 जून 2000 और 24 जून 2003 (दोनों तिथियां सम्मिलित) के बीच हुआ हो। चिकित्सा सहायक वाले उम्मीदवार को मान्यता प्राप्त शिक्षा बोर्ड से भौतिकी, रसायन विज्ञान एवं जीव विज्ञान तथा अंग्रेजी के साथ (102), इंटरमीडिएट, समकक्ष परीक्षा न्यूनतम 50 प्रतिशत अंकों के साथ उत्तीर्ण होना चाहिए। मान्यता प्राप्त शिक्षा बोर्ड से गैर व्यावसायिक विषयों यानी भौतिकी, रसायन विज्ञान एवं जीव विज्ञान तथा अंग्रेजी के साथ दो वर्ष का व्यावसायिक पाठ्यक्रम न्यूनतम 50 प्रतिशत अंकों के साथ उत्तीर्ण होना चाहिए।

लैंगिक समानता का मूल चिंतन

ईश्वर की बनाई इस सृष्टि में मानव के रूप में जन्म लेना एक दुर्लभ सौभाग्य की बात होती है। और जब वो जन्म एक स्त्री के रूप में मिलता है तो वो परमसौभाग्य का विषय होता है। क्योंकि स्त्री ईश्वर की सबसे खूबसूरत वो कलाकृति है जिसे उसने सृजन करने की पात्रता दी है। सनातन संस्कृति के अनुसार संसार के हर जीव की भांति स्त्री और पुरुष दोनों में ही ईश्वर का अंश होता है लेकिन स्त्री को उसने कुछ विशेष गुणों से नवाजा है। यह गुण उसमें नैसर्गिक रूप से पाए जाते हैं जैसे सहनशीलता, कोमलता, प्रेम,त्याग, बलिदान ममता। यह स्त्री में पाए जाने वाले गुणों की ही महिमा होती है कि अगर किसी पुरुष में स्त्री के गुण प्रवेश करते हैं तो वो देवत्व को प्राप्त होता है लेकिन अगर किसी स्त्री में पुरुषों के गुण प्रवेश करते हैं तो वो दुर्गा का अवतार चंडी का रूप धर लेती है जो विध्वंसकारी होता है। किंतु वही स्त्री अपने स्त्रियोचित नैसर्गिक गुणों के साथ एक गृहलक्ष्मी के रूप में आनपूर्णा और एक माँ के रूप में ईश्वर स्वरूपा बन जाती है।

देखा जाए तो इस सृष्टि के क्रम को आगे बढाने की प्रक्रिया में जो जिम्मेदारियां ईश्वर ने एक स्त्री को सौंपी हैं उनके लिए एक नारी में इन गुणों का होना आवश्यक भी है। लेकिन इसके साथ ही हमारी सनातन संस्कृति में शिव का अर्धनारीश्वर रूप हमें यह भी बताता है कि स्त्री और पुरूष एक दूसरे के पूरक हैं प्रतिद्वंद्वी नहीं और स्त्री के ये गुण उसकी शक्ति हैं कमजोरी नहीं। भारत तो वो भूमि रही है जहां प्रभु श्री राम ने भी सीता माता की अनुपस्थिति में अश्वमेध यज्ञ उनकी सोने की मूर्ति के साथ किया था। भारत की संस्कृति तो वो है जहाँ कृष्ण भगवान को नन्दलाल कहा जाता था तो वो देवकीनंदन और यशोदानन्दन भी थे। श्री राम दशरथ नन्दन थे तो कौशल्या नन्दन होने के साथ साथ सियावर भी थे। भारत तो वो राष्ट्र रहा है जहाँ मैत्रैयी गार्गी इंद्राणी लोपमुद्रा जैसी वेद मंत्र दृष्टा विदुषी महिलाएं थीं तो कैकई जैसी रानीयां भी थी जो युद्ध में राजा दशरथ की सारथी ही नहीं थीं बल्कि युद्ध में राजा दशरथ के घायल होने की अवस्था में उनकी प्राण रक्षक भी बनीं। लेकिन इसे क्या कहा जाए कि स्त्री शक्ति के ऐसे गौरवशाली सांस्कृतिक अतीत के बावजूद वर्तमान भारत में महिलाओं को सामाजिक रूप सशक्त करने की दिशा में सरकारों को महिला दिवस मनाने जैसे विभिन्न प्रयास करने पढ़ रहे हैं। समझने वाली बात यह है कि आज जब हम महिलाओं के अधिकारों की बात करते हैं और लैंगिग समानता की बात करते हैं तो हम मुद्दा तो सही उठाते हैं लेकिन विषय से भटक जाते हैं। मुद्दे की अगर बात करें, तो आज महिलाएं हर क्षेत्र में अपने कदम रख रही हैं। धरती हो या आकाश आईटी सेक्टर हो या मेकैनिकल समाजसेवा हो या राजनीति महिलाएं आत्मविश्वास के साथ आगे बढ़ रही हैं। और अपनी कार्यकुशलता के दम पर अपनी प्रतिभा का लोहा भी मनवा रही हैं।आज विश्व के अनेक देशों के शीर्ष पदों पर महिलाएं विराजमान हैं। इसके अलावा आज के आत्मनिर्भर भारत के इस दौर में अनेक महिला उद्यमी देश की तरक्की में अपना योगदान दे रही हैं। लेकिन यह तसवीर का एक रुख है। तस्वीर का दूसरा रुख है 2021 की एक सर्वे रिपोर्ट जिसमें यह बात सामने आती है कि 37 प्रतिशत महिलाओं को उसी काम के लिए पुरुषों के मुकाबले कम वेतन दिया जाता है। 85 फीसद महिलाओं का कहना है कि उन्हें पदोन्नति और वेतन के मामले में नौकरी में पुरुषों के समान अवसर नहीं मिलते। लिंक्डइन की इस सर्वे रिपोर्ट के अनुसार आज भी कार्य स्थल पर कामकाजी महिलाओं के साथ भेदभाव किया जाता है। महिलाओं को काम करने के समान अवसर उपलब्ध कराने के मामले में 55 देशों की सूची में भारत 52 वें नम्बर पर है। इसे क्या कहा जाए कि हम वैश्विक स्तर पर महिला दिवस जैसे आयोजन करते हैं जिसमें महिलाओं को पुरुषों के समान अधिकार देने की बातें करते हैं लेकिन जब तनख्वाह, पदोन्नति, समान अवसर प्रदान करने जैसे विषय आते हैं तो हम 55 देशों की सूची में अंतिम पायदानों पर होते हैं।

जाहिर है कि जब इस मुद्दे पर चर्चा होती है तो अनेक तर्क वितर्कों के माध्यमों से महिला सशक्तिकरण से लेकर नारी मुक्ति और स्त्री उदारवाद से लेकर लैंगिक समानता जैसे भारी भरकम शब्द भी सामने आते हैं। और यहीं हम विषय से भटक जाते हैं। क्योंकि उपरोक्त विमर्शों के साथ शुरू होता है पितृसत्तात्मक समाज का विरोध। यह विरोध शुरू होता है पुरुषों से बराबरी के आचरण के साथ। पुरुषों जैसे कपड़ों से लेकर पुरुषों जैसा आहार विहार जिसमें मदिरा पान सिगरेट सेवन तक शामिल होता है। जाहिर है कि तथाकथित उदारवादियों का स्त्री विमर्श का यह आंदोलन उदारवाद के नाम पर फूहड़ता के साथ शुरू होता है और समानता के नाम पर मानसिक दिवालियेपन पर खत्म हो जाता है।

हमें यह समझना चाहिए कि जब हम महिलाओं के लिए लैंगिग समानता की बात करते हैं तो हम उनके साथ होने वाले लैंगिग भेदभाव की बात कर रहे होते हैं। इस क्रम में समझने वाला विषय यह है कि अगर यह लैंगिग भेदभाव केवल महिलाओं द्वारा पुरुषों के समान कपड़े पहनने या फिर आचरण रखने जैसे सतही आचरण से खत्म होना होता तो अमेरिका और यूरोपीय संघ जैसे तथाकथित विकसित और आधुनिक देशों में यह कब का खत्म हो गया होता। लेकिन सच्चाई तो यह है कि इन देशों की महिलाएं भी अपने अधिकारों के लिए आज भी संघर्ष कर रही हैं। दरअसल महत्वपूर्ण तथ्य यह है कि जब हम महिला अधिकारों के लिए लैंगिग समानता की बात करते हैं तो उसके मूल में एक वैचारिक चिंतन होता है कि एक सभ्य और विकसित समाज अथवा परिवार अथवा एक व्यक्ति के रूप में महिलाओं के प्रति हमारा व्यवहार समान,हमारी सोच समान, हमारा दृष्टिकोण समान, समान कार्य के लिए उन्हें दिया जाने वाला वेतन पुरुष के समान और जीवन में आगे जाने के लिए उन्हें मिलने वाले अवसर समान रूप से उपलब्ध हों। जिस दिन किसी भी क्षेत्र में आवेदक अथवा कर्मचारी को उसकी योग्यता के दम पर आंका जाएगा ना कि उसके महिला या पुरुष होने के आधार पर, तभी सही मायनों में हम महिला दिवस जैसे आयोजनों के प्रयोजन को सिद्ध कर पाएंगे।

डॉ नीलम महेंद्र लेखिका वरिष्ठ स्तम्भकार हैं
यह निजी विचार है।

छत्तीसगढ़ शासन जल संसाधन विभाग
कार्यालय अधीक्षण अभियंता, महानदी मंडल, रायपुर (छ.ग.)
ई.प्रोक्यूरमेंट निविदा सूचना
e-Procurement Portal: https://eproc.cgstate.gov.in
(द्वितीय आमंत्रण)
सिस्टम निविदा क्र. 153670/निविदा सूचना क्र. 07/व.ले.लि./2023-24 दि. 06.03.2024
निम्नलिखित कार्यो के लिए दिनांक 26.03.2024 17:30 तक ऑन लाईन निविदाए आमंत्रित की जाती है
कार्य का नाम - रायपुर जिले के विकासखंड-आरंग के राजीव समोदा निसदा व्यपवर्तन योजना के (प्रथम चरण) शीर्ष कार्य के अंतर्गत वियर का सुरक्षा कार्य (एपोक्सी उपचार कार्य)।
अनुमानित लागत - रू. 180.83 लाख
(एस.ओ.आर. दिनांक 01.08.2010 से प्रचलित (यथा संशोधित दिनांक 22.08.2022 तक))
अन्य विवरण एवं विस्तृत निविदा छत्तीसगढ़ शासन की ई-प्रोक्योरमेंट् वेब साइट https://eproc.cgstate.gov.in पर दिनांक 13.03.2024 समय 17.31 बजे से देखे तथा डाउनलोड़ किये जा सकते है।
नोट : निविदा में भाग लेने हेतु ठेकेदारों को ई-प्रोक्योरमेंट् वेबसाईट https://eproc.cgstate.gov.in पर नामांकित/पंजीयन तथा लोक निर्माण विभाग की एकीकृत पंजीयन प्रणाली के अंतर्गत ठेकेदार को उपयुक्त श्रेणी में पंजीयन कराना अनिवार्य है।
कार्यपालन अभियंता
म.ज.प. द्वितीय चरण कार्य संभाग, रायपुर
G-08395/8

लोकसभा निर्वाचन 2024 : मास्टर ट्रेनर्स को दिया गया प्रशिक्षण

संवाददाता।

जांजगीर-चांपा 7 मार्च 2024/ कलेक्टर श्री आकाश छिकारा की उपस्थिति में कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में लोकसभा निवार्चन 2024 के लिए मास्टर ट्रेनर्स का प्रशिक्षण आयोजित किया गया। इस अवसर पर कलेक्टर ने कहा कि मतदान के शुरू से मतगणना तक सभी कार्य को निर्वाचन नियमावली के तहत करना है। उन्होंने निर्वाचन की पूरी प्रक्रिया, दिशा-निर्देशों आदि की विस्तार से जानकारी। प्रशिक्षण में निर्वाचन की प्रारंभिक प्रक्रिया, निर्वाचन के पूर्व दिवस की तैयारी, प्रशिक्षण प्राप्त करना, सामग्री प्राप्त करना, सामग्री का मिलान करना, ईव्हीएम, बीयू, सीयू एवं व्हीव्हीपैट की सरल क्रमांक, समस्त प्रपत्र की पूर्व तैयारी, आवश्यकतानुसार प्रारंभिक प्रविष्टि के बारे में जानकारी दी। प्रशिक्षण में मतदान के पूर्व मॉक पोल, ईव्हीएम मशीन की गुणवत्ता की परीक्षण के संबंध में भी जानकारी दी गई। आगामी लोकसभा आम निर्वाचन 2024 के तहत जिले के मास्टर ट्रेनर्स, संबंधित अधिकारी-कर्मचारियों को ईवीएम वीवीपैट मशीन एवं निर्वाचन से संबंधित विभिन्न गतिविधियों जैसे मशीनों के संचालन, प्रक्रियाओं, मॉकपोल की प्रशिक्षण के माध्यम से जानकारी से अवगत कराया गया। इस अवसर पर उप जिला निर्वाचन अधिकारी श्रीमती निशा नेताम मडावी, नोडल अधिकारी पोस्टल बैलेट श्रीमती पायल पांडेय सहित संबंधित अधिकारी कर्मचारी उपस्थित थे।

लोकशक्ति
www.lokshakti.in

भारतीय जनता पार्टी जांजगीर चांपा लोकसभा प्रबंधन समिति की हुई बैठक

जांजगीर-चांपा, संवाददाता

जांजगीर चांपा - जिला भाजपा कार्यालय जांजगीर मे आज लोकसभा स्तरीय बैठक हुई । बैठक को लोकसभा प्रभारी गौरीशंकर अग्रवाल ने प्रबंधन समिति के सभी प्रारूपो के सदस्यो को वन टु वन बातचीत कर आगामी लोकसभा चुनाव मे जुट जाने को कहा । क्लस्टर प्रभारी राजेश मूणत ने भी समिति के सदस्यो को सम्बोधित करते हुए कहा कि हम सभी को लोकसभा के सभी बुथ स्तर से लेकर मंडल स्तर तक काम करना है , उन्होने कार्यकर्ताओ मे जोश भरते हुए कहा कि हमको मोदी जी के नेतृत्व मे देश मे तीसरी बार 400 पार के नारे के साथ भाजपा की सरकार बनाना है और देश का प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी को बनाना है । बैठक को लोकसभा भाजपा प्रत्याशी कमलेश जांगडे ने सम्बोधित करते हुए कहा कि आप सभी कार्यकर्ताओ के प्रयास से मुझे टिकट मिला है और अब आगामी चुनाव मे आप सभी के मेहनत और जनता के आशीर्वाद से हमे लोकसभा मे जीत मिलेगी । बैठक मे प्रमुख रूप से पूर्व नेता प्रतिपक्ष नारायण चंदेल , लोकसभा सहप्रभारी गुरूपाल भल्ला , लोकसभा संयोजक कृष्णकांत चन्द्रा , सहसंयोजक खिलावन साहु , दिनेश जांगीड , जिलाध्यक्ष गुलाब चंदेल , सनम जांगडे , सोशल मीडीया प्रदेश प्रभारी प्रशांत ठाकुर , लीलाधर सुलतानिया , संयोगिता जुदेव , श्याम बाई साहु , मेधाराम साहु , संतोष लहरे , अमबेश जांगडे , दिनेश सिंह , पुरूषोत्तम शर्मा , धनीराम धीवर , विवेका गोपाल , अमर सुल्तानीया , जितेंद्र देवांगन , अभिमन्यु राठौर , नंदनी रजवाडे , संतोषी दुबे, रजनी साहु , मोहन कुमारी साहु ,मीरा पतकी , मनोज मिश्रा , पंकज अग्रवाल , धनंजय नामदेव , आशुतोष गोस्वामी , गणेश श्रीवास , निरंजन कोसले , अरूण झाझडिया , रामवतार अग्रवाल , मांगेलाल अग्रवाल , नवीन राठौर , चमन शिव सिंह ,मोहन यादव , प्रदीप सोनी , मुकेश जायसवाल , रामखुबवानी , मणिकांत अग्रवाल , लोकेश साहु ,विक्रम प्रताप सिंह , संजय रामचन्द्र सहित कार्यकर्ता उपस्थित थे ।

12 वीं की इतिहास, व्यवसाय अध्ययन, कृषि विज्ञान के तत्व एवं ड्राइंग पेंटिंग विषय की परीक्षा संपन्न

संवाददाता

जांजगीर-चांपा, 07 मार्च, 2024/ छत्तीसगढ़ माध्यमिक शिक्षा मंडल द्वारा आज आयोजित कक्षा 12 वीं के इतिहास, व्यवसाय अध्ययन, कृषि विज्ञान के तत्व एवं ड्राइंग पेंटिंग विषय की परीक्षा सुचारू रूप से संचालित हुई। जिला शिक्षा अधिकारी ने बताया कि जिले में संचालित हायर सेकेण्डरी परीक्षा 2024 हेतु कक्षा 12वीं की इतिहास, व्यवसाय अध्ययन, कृषि विज्ञान के तत्व एवं ड्राइंग पेंटिंग की परीक्षा में पंजीकृत कुल 4921 परीक्षार्थियों में से 4779 विद्यार्थी शामिल हुए। जबकि 142 परीक्षार्थी अनुपस्थित रहें। परीक्षा में नकल का कोई प्रकरण दर्ज नहीं किया गया। उन्होंने बताया कि विकासखण्ड अकलतरा में 793, बलौदा विकासखण्ड में 682, बम्हनीडीह विकासखण्ड में 781, नवागढ़ विकासखण्ड में 1372, पामगढ़ विकासखण्ड में 1151 परीक्षार्थी उपस्थित थे।

अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के उपलक्ष्य में बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ अंतर्गत खेलबो सखी, रन (दौड़), सुपर गर्ल्स का हुआ आयोजन

कलेक्टर ने खिलाड़ियों, विभिन्न विधाओं, उत्कृष्ट कार्य करने वाली बालिकाओं, महिलाओं का किया सम्मान

जांजगीर-चांपा कलेक्टर श्री आकाश छिकारा के निर्देशन में जिला मुख्यालय में अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के उपलक्ष्य में बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ रन (दौड़), खेलबो सखी, सुपर गर्ल्स का आयोजन किया गया। हाई स्कूल मैदान में आयोजित कार्यक्रम को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि इसका मूल उद्देश्य समाज में जागरूकता उत्पन्न करना है। उन्होंने कहा की बेटी-बेटा एक बराबर है, अगर बेटियों को अवसर मिले तो बेटियां हर क्षेत्र में जैसे शिक्षा, स्वास्थ्य, पढ़ाई, राजनीति समाज के हर फील्ड में बेटों के बराबर है और बेटियां बेटों से अच्छा कर सकती हैं। अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर जिले में आज पूरे दिवस विभिन्न कार्यक्रम का आयोजन किया गया। साथ ही खेल प्रतियोगिता का भी आयोजन हुआ। जिसमें विकासखंड के चुने हुए महिला, बेटियां भाग लिए। इसके साथ ही जांजगीर के ऑडिटोरियम में सुपर गर्ल्स का आयोजन किया गया। इस दौरान मटकी फोड़, जलेबी दौड़ का आयोजन भी हुआ। जिसमे सभी महिलाओं ने बढ़कर हिस्सा लिया।

जिले में गुरूवार को अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के उपलक्ष्य में बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओं योजनांतगत सुपर गर्ल्स के तहत बालिकाओं के कलात्मक प्रतिभा को उभारने हेतु जिले के समस्त शालाओं में कक्षा पहली से बारहवीं तक एवं समस्त महाविद्यालयों में अध्ययनरत् बालिकाओं का शाला स्तर, महाविद्यालय स्तर पर संकुल स्तर, ब्लॉक स्तर, पर एकल नृत्य प्रतियोगिता, एकल गायन प्रतियोगिता, एकल चित्रकला प्रतियोगिता, भाषण प्रतियोगिता, वाद विवाद प्रतियोगिता, वाद यंत्र प्रतियोगिता एवं कविता पाठ प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। जिला स्तरीय कार्यक्रम में सभी विजेताओं एवं महिलांओं पुरूस्कार देकर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में विभिन्न विधाओं में उत्कृष्ट कार्य करने वाली महिलाओं, बेटियां जिला स्तर पर आयोजित कार्यक्रम में शामिल हुए। सुपर गर्ल्स में शामिल बालिकाओं को पुरस्कृत किया गया। खेल प्रतियोगिताओं के विजेता टीम, खिलाडियो को सम्मानित किया गया। इसके साथ ही जिला मुख्यालय स्थित ऑडिटोरियम में महिला सम्मान समारोह का आयोजन भी किया गया। इस दौरान विभिन्न क्षेत्रों में कार्य करने वाली महिलाओं ने संबोधित किया और अपने विचारों से सभी को प्रेरित किया। ऑडिटोरियम में आयोजित सुपर गर्ल्स कार्यक्रम के दौरान पंतोरा शासकीय हाई स्कूल की छात्राओं ने नाटक का मंचन करते हुए महिलाओं पर होने वाले अत्याचार को लेकर जीवंत प्रदर्शन किया। इस दौरान विभिन्न स्कूलों की छात्राओं के द्वारा सांस्कृति कार्यक्रम का आयोजन भी किया गया।

सेल्फी विथ डॉटर में पल्लवी को मिला प्रथम स्थान

जिला प्रशासन द्वारा अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के उपलक्ष्य सोशल मीडिया के माध्यम से सेल्फी विथ डॉटर का आयोजन किया गया था। जिसमें जिले के नागरिकों ने बढ़चढ़ कर अपनी हिस्सेदारी निभाई और अपनी बेटी के साथ सेल्फी लेकर सोशल मीडिया पर ''मोर नोनी'' हैसटैग के साथ प्रविष्टिया आमंत्रित की गई थी। जिनमें बड़ी संख्या में लोगो ने अपनी बेटी के साथ फोटो को पोस्ट किया। इनमें से तीन प्रविष्टियों का चयन समिति के द्वारा पर्ची निकालकर किया। जिन्हे ऑडिटोरियम में आयोजित कार्यक्रम के दौरान पुरूस्कृत किया गया। पहला पुरूस्कार पल्लवी जांगड़े, दूसरा पुरूस्कार रंजीत राठौर एवं तीसरा पुरूस्कार आशीष तिवारी को मिला।

हर क्षेत्र में महिलाएं आगे बढ़ी है

डॉक्टर पायल चौधरी ने कहा कि आज सभी महिलाओं को समानता का अधिकार मिला है । हर क्षेत्र में महिलाएं आगे बढ़ रही हैं। राजनीति, खेल, साहित्य सहित फिल्म इंडस्ट्रीज में अपने मजबूती के साथ पैर जमाये हुए है और यह सब हो सका है शिक्षा के माध्यम से। उन्होंने कहा कि एक महिला के लिए जरूरी है कि वह आगे बड़े और आगे बढ़कर अपने मुकाम को हासिल करें। उन्होंने कहा कि हम सभी मिलकर बच्चियों के स्वास्थ्य, शिक्षा और उनकी सुरक्षा पर ध्यान दे। जिला पंचायत सदस्य उमा राठौर ने कहा कि देश विश्व गुरु बन रहा है और महिलाए आगे बढ़ रही है। महिलाएं जागृत हो चुकी है हर जगह अपनी छाप छोड़ चुकी है। अपर कलेक्टर श्रीमती लवीना पांडेय ने अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के बारे में विस्तार से बताया। इस अवसर पर जिला पंचायत सदस्य श्रीमती कुसुम कमल किशोर साव, जिला कार्यक्रम अधिकारी श्रीमती अनिता अग्रवाल, जिला शिक्षा अधिकारी श्रीमती भारती वर्मा, पर्वतारोही अमीता श्रीवास, श्रीमती तान्या अनुरागी, अधिवक्ता उषा सांडिल्य, श्रीमती ज्योति बनकर सहित विभिन्न जनप्रतिनिधि, संबंधित अधिकारी कर्मचारी एवं बड़ी संख्या में बालिकाएं-महिलाएं उपस्थित थी।

मार्च के महीने में अवकाश के दिनों में भी खुले रहेंगे रजिस्ट्री कार्यालय

जांजगीर-चांपा वाणिज्यिक कर (पंजीयन) विभाग, स्टाम्प एवं पंजीयन शुल्क के रूप में राज्य के लिए शासकीय राजस्व अर्जन करने वाला एक महत्वपूर्ण विभाग है। वित्तीय वर्ष 2023-24 के अंतिम माह पूर्ण होने में कुछ ही दिन शेष है, तथा मार्च माह में शासकीय अवकाश के क्रमशः 16 मार्च, 17 मार्च, 23 मार्च, 29 मार्च और 30 मार्च एवं 31 मार्च 2024 कुल 6 दिवस शामिल है। जनसुविधा एवं शासकीय राजस्व संग्रहण को ध्यान में रखते हुए उक्त अवकाश के दिवस में भी पंजीयन कार्यालय चालू रखा जाकर नियमित रूप से पंजीयन कार्य कराया जाएगा।

निधन....लल्लन सिंह

जांजगीर चांपा

नगर के प्रतिष्ठित व्यवसाय एवं ट्रांसपोर्टर सुशील सिंह के पिता श्री लल्लन सिंह का आकस्मिक निधन हो गया है जिनका दाह संस्कार का कार्यक्रम उनके निजी निवास जांजगीर से रानीपार मुक्तिधाम में किया गया। सभी स्नेही जनों ने मृत आत्मा की शांति के लिए शोक समतप्त परिवार को सांत्वना के लिए ईश्वर से प्रार्थना किया ।

जिले में अवैध प्लाटिंग का कारोबार बेखौफ हो रहा

शासन - प्रशासन के सारे नियमों को ताक पर रखकर......

यहां खेत खलिहान की आवासीय प्लाट के रूप में खरीदी बिक्री हो रही ....

जांजगीर - चांपा । संवाददाता।

जिले में अवैध प्लाटिंग का कारोबार बेखौफ हो रहा है। शासन - प्रशासन के सारे नियमों को ताक पर रखकर यहां खेत खलिहान की आवासीय प्लाट के रूप में खरीदी बिक्री हो रही है। स्थिति यह है कि शहर के आसपास इलाकों में रोज कहीं ना कहीं कालोनी का नक्शा खींचा जा रहा है। जिला मुख्यालय सहित आसपास के इलाकों में इन दिनों अवैध प्लाटिंग का कारोबार जोर - शोर से हो रहा है। नगर पालिका जांजगीर - नैला व चांपा सहित अन्य नगरीय निकाय क्षेत्रों व आस पास के गांवों में बड़े स्तर पर अवैध प्लाटिंग का खेल चल रहा है। बिल्डर रियल एस्टेट रेगुलेटरी अथारिटी (रेरा) को दरकिनार कर प्लाट बेच रहे हैं। इसके चलते प्लाट खरीदने वाले लोग भविष्य में परेशानी में फंस सकते हैं।

शहर व आसपास के गांव से लगे खेतों की बिक्री आवासीय प्लाट के रूप में बेधड़क हो रही है। इन खेतों को प्लाटिंग करने वाले लोग पहले कच्ची सड़क तैयार करते हैं इसके बाद वहां अपने तरीके से प्लाटिंग करते है। कृषि योग्य भूमि को प्लाट के रूप में विकसित कर खरीदी बिक्री के लिए नियमानुसार डायवर्सन करना पड़ता है। एक से अधिक प्लाट काटने के बाद नियमानुसार कॉलोनाइजर एक्ट के तहत सभी औपचारिकता पूरी करने के बाद उसकी खरीदी बिक्री होनी चाहिए।

लेकिन, बिना पंजीयन के ही न केवल आवासीय कालोनी बन रहे हैं बल्कि खेत खलिहान का धड़ल्ले से अवैध प्लाटिंग भी हो रही है। वहीं शहर में ऐसी कई कालोनियां हैं जिनके अवैध प्लाटिंग के मामले विभागों में लंबित हैं। छत्तीसगढ़ रियल एस्टेट रेगुलेटरी अथारिटी (रेरा) के नियमानुसार किसी भी बिल्डर को जमीन की प्लाटिंग करने से पहले रेरा में रजिस्टेशन कराना अनिवार्य है। इसके अलावा प्लाट बेचने से पहले बिल्डर वहां जन सुविधाओं से जुड़ी चीजें पक्की नाली, सड़क, बिजली व पानी का इंतजाम, सीवर, खेल मैदान आदि की सुविधा उपलब्ध करायेगा मगर जिला मुख्यालय सहित अन्य नगरीय निकायों में अवैध प्लाटिंग का खेल जोरों पर चल रहा है। यहां कई एकड़ खेतों की अवैध प्लाटिंग कर खरीददारों को बेचा जा रहा है। यहां प्लाट खरीदने वाले को अंधेरे में रखकर प्लाटिंग की जा रही है। इसके चलते प्लाट लेने वाले खरीददार भविष्य में फंस सकते हैं। मगर यहां नोटिस देने के अलावा बड़ी कार्रवाई नहीं हो रही है।

बिल्डर पर कार्रवाई का प्रविधान.....

रेरा के नियमों का पालन नहीं होने पर बिल्डर पर कार्रवाई का प्रविधान है। गड़बड़ी करने वालों पर जहां रेरा उसकी योजना की लागत का दस प्रतिशत तक जुर्माना कर सकती है। वहीं किसी मामले में एफआइआर होने पर तीन साल की सजा का भी प्रविधान एक्ट में है। रेरा के अनुसार एक्ट की वजह से यह भी तय है कि जिनका पंजीयन रेरा में होगा, उन बिल्डरों पर लोग भरोसा कर सकेंगे। बिल्डर द्वारा कोई भी अतिरिक्त

इजाफा या परिवर्तन के बारे में पहले खरीददारों को सूचना देना होगा। साथ ही किसी भी या बदलाव के बारे में दो से तीन क्रेताओंकी मंजूरी की जरूरत होगी, रजिस्ट्रेशन से पहले किसी तरह का लांचिंग या विज्ञापन नहीं किया जाएगा, अगर बहुमत अधिकार तीसरे पक्ष को ट्रांसफर किया जाना है तो सहमति की जरूरत होगी, प्रोजेक्ट प्लान, ले- आउट, सरकारी मंजूरी और लैंड टाइटल स्टेटस और उप ठेकेदारों की जानकारी साझा करना, वहीं वक्त पर प्रोजेक्ट पूरा होकर ग्राहकों को मिल जाए, इस पर जोर दिया जाएगा।

दो एकड़ का डायवर्सन, दस पर निर्माण.........

जिले में अवैध प्लाटिंग का खेल का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि कई कालोनाइजर्स ऐसे भी हैं जो दो- चार एकड़ जमीन का डायवर्सन कराकर 10 से 15 एकड़ जमीन पर कालोनी का निर्माण करा रहे हैं। वहीं रेरा के नियमानुसार भूमि के डायवर्सन होने के बाद ही उस भूमि का ले आउट पास किया जाता है लेकिन रेरा के नियमों को भी दरकिनार कर बिना डासवर्सन वाली भूमि का ले- आउट पास कर दिया जा रहा है। अच्छे ब्रोशर, थ्रीडी फोटो दिखाकर ऊंची कीमत पर प्लाट और घर बेचने के बाद भी कालोनाइजर्स सुविधाएं नहीं देते। ज्यादातर कालोनियों में रहने वाले बुनियादी सुविधाएं नहीं मिलने से परेशान हैं।

सुविधाएं नहीं देते कालोनाइजर्स.....

प्लाट बेचने से पहले कालोनाइजर्स सड़क, नालियां, बिजली के खंबे,पार्क और पानी आदि सुविधाएं देने का लालच देते हैं लेकिन प्लाट बेचने के बाद कालोनाइसर्ज द्वारा बुनियादी व्यवस्था नहीं कराई जाती। कालोनाइजर्स द्वारा रहवासियों को सुविधाएं देना तो दूर बिजली के खंभे लगवाने के नाम पर उनसे पैसे लेकर धोखाधड़ी भी की जाती है। वर्तमान में शहर में संचालित कई कालोनियों में रहवासियों के लिए बुनियादी सुविधाएं उपलब्ध नहीं हैं।

रेरा में कर सकते हैं शिकायत......

ऐसे बिल्डर जिन्होंने बरसों पहले आवासीय परिसर बनाकर लोगों को बेचे, लेकिन तब ब्रोशर में जिन सहूलियतों की घोषणा की थी लेकिन दी नहीं तो संबंधित विनियामक प्राधिकरण (रेरा) में शिकायत कर सकेंगे। ऐसे कालोनाइजरों के लिए ही केन्द्र सरकार ने रेरा कानून लागू किया है। नए बिल्डरों को इसमें पंजीयन करवाना जरूरी है। इसके साथ ही पुराने खरीदार भी शिकायत कर सकते हैं।

इडब्ल्यूएस के लिए नहीं छोड़ते जमीन

नियमानुसार निजी भूमि पर कालोनी का निर्माण कराने से पहले लाइसेंस लेना पड़ता है। कालोनाइजर को संबंधित नगर पालिका से डायवर्सन के लिए एनओसी लेनी होगी। कालोनाइजर को ट्रांसफार्मर, पानी, सड़क का निर्माण कराना होगा। पार्क के लिए भूमि आरक्षित रखनी होगी। टाउन एण्ड कंट्री प्लानिंग से भी कालोनी निर्माण के लिए अनुमति लेनी होगी। एक एकड़ से कम क्षेत्र में कालोनी बनाई जा रही है तो पालिका में वर्तमान रेट का 15 प्रतिशत आश्रय शुल्क जमा करना पड़ता है, अगर एक एकड़ से ज्यादा जमीन है तो एयर डिस्टेंस दो किमी के भीतर ईडब्ल्यूएस बनाने के लिए जमीन छोडनी पड़ती है।

ग्रीष्म ऋतु में ग्रामीण क्षेत्रों में किसी भी प्रकार से पेयजल की समस्या नहीं आनी चाहिए : कलेक्टर

जिले के ग्राम पंचायतों के प्रतिनिधियों से वन-टू-वन चर्चा कर पेयजल की समस्याओं का करें निराकरण

राजनांदगांव ग्रीष्म ऋतु को देखते हुए जिले के सभी गांवों में पेयजल की पर्याप्त व्यवस्था हो इसके लिए तैयारियां की जा रही है। इस संबंध में कलेक्टर व अध्यक्ष जिला जल एवं स्वच्छता मिशन संजय अग्रवाल की अध्यक्षता में आज कलेक्टोरेट सभाकक्ष में जिला जल एवं स्वच्छता मिशन की बैठक आयोजित की गई।

कलेक्टर अग्रवाल ने कहा कि ग्रीष्म ऋतु में ग्रामीण क्षेत्रों में किसी भी प्रकार से पेयजल की कमी से संबंधित कोई भी समस्या नहीं आनी चाहिए, इसके लिए लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग के अधिकारियों को निर्देशित किया। उन्होंने कहा कि जिले में जल जीवन मिशन अंतर्गत नलों के माध्यम से पेयजल घरों तक उपलब्ध कराने का कार्य किया जा रहा है। बैठक में उन्होंने लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग के अधिकारियों को निर्देशित करते हुए कहा कि जल जीवन मिशन अंतर्गत स्वीकृत प्रारंभ सभी कार्यों को पूरा करने का कार्य तेजी से करें और इसमें प्रगति लाएं। बैठक में जनपद पंचायतों के मुख्य कार्यपालन अधिकारियों को ग्रामीण क्षेत्रों में चल रहे जल जीवन मिशन कार्यों की लगातार मॉनिटरिंग करने कहा। उन्होंने जिले के ग्रामीण क्षेत्रों के हेण्डपंप के सुधार के कार्यों को 15 मार्च से अभियान चलाकर करने कहा। जिससे ग्रामीण क्षेत्रों में पानी की समस्या नहीं होगी। जिन गांवों में पेयजल के संबंध में ज्यादा समस्या आ रही हो वहां स्वयं जाकर देखकर निराकरण करें। उन्होंने जिले के सभी ग्राम पंचायतों के प्रतिनिधियों से वन-टू-वन चर्चा कर पेयजल की समस्याओं का निराकरण करने पर जोर दिया।

कलेक्टर अग्रवाल ने जिले में कार्यरत ठेकेदारों द्वारा आबंटित कार्यों पूर्ण करने हेतु समयावृद्धि की मांग की थी, जिस पर समिति द्वारा अर्थदंड अधिरोपित करते हुए समयावृद्धि प्रदान की गई। कलेक्टर अग्रवाल ने आगे कहा कि जनपद पंचायतों के मुख्य कार्यपालन अधिकारी ग्रामीण क्षेत्रों में जल जीवन मिशन के तहत संचालित प्रगतिरत सभी कार्यों की निरंतर मानिटरिंग करते रहे। इसके अलावा जहां कही भी ग्रामीण क्षेत्रों में पेयजल से संबंधित किसी भी प्रकार की कोई भी समस्या आती है, तो उसका तत्काल निराकरण कराएं। उन्होंने सभी जनपद कार्यालयों में एक शिकायत रजिस्टर रखने के निर्देश दिए, जिससे ग्रामीण क्षेत्रों में होनी वाली समस्याओं का पता चल रहे और समय पर उसका निराकरण किया जा सके।

कलेक्टर अग्रवाल ने लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग के अधिकारियों को कलस्टर वार ग्रुप बनाएं और उसमें ग्रामीण क्षेत्रों में पेयजल से संबंधित आने वाली सभी प्रकार की शिकायतों को ध्यान में लाएं और उनका समय पर निराकरण करें। इसके लिए अपने सभी अमलों से समन्वय बनाकर कार्यों को पूरा करने कहा। बैठक में जल जीवन मिशन से संबंधित विभिन्न कार्यों का अनुमोदन भी किया गया। बैठक में जल जीवन मिशन अंतर्गत स्वीकृत योजनाओं के आमंत्रित निविदा में पात्रता निर्धारण कर प्राप्त दर के निराकरण, किए गए कार्यों के भुगतान व व्यय का अनुमोदन सहित अन्य विषयों पर चर्चा की गई। इस अवसर पर सीईओ जिला पंचायत सुरूचि सिंह, कार्यपालन अभियंता लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी खंड राजनांदगांव एवं सदस्य सचिव समीर शर्मा, मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. एके बसोड, कार्यक्रम अधिकारी महिला एवं बाल विकास गुरूप्रीत कौर, उप संचालक कृषि नागेश्वर लाल पाण्डे, सहायक संचालक शिक्षा आदित्य खरे, सांसद प्रतिनिधि बिसेसर दास साहू व समिति के अन्य सदस्य उपस्थित रहे।

महाशिवरात्रि की पूजा अभिषेक

लोकशक्ति।

(यदि किसी कारण से वृहद रूप से आयोजन नहीं कर पा रहें तो घर मे ही इस संक्षिप्त विधि से शिव जी की पूजा कर सकते हैं) एक पाटे में गौरी गणेश कलश नवग्रह और भगवान शिवलिंग को बैठाकर, पहले दीपक जलावें, तीन बार आचमन कर अपने ऊपर गंगाजल युक्त जल छिड़ककर पवित्र हो जाएं फिर संकल्प लेकर अक्षत पुष्प गौरी गणेश जी पर चढ़ावे। उसके बाद पीला चावल पुष्प दूब लेकर गौरी, गणेश, कलश, नवग्रह का आवाहन करें। फिर सफेद अक्षत पुष्प लेकर भगवान शिव जी का ध्यान आवाहन करें। उसके बाद सभी आवहित देवताओं का स्नान, - जल, दूध, दही, घी, शहद, शक्कर, पंचामृत से स्नान करा कर फिर से साफ जल से स्नान करायें। उसके बाद मौलीधागा, जनेऊ वस्त्र चडावें, चंदन, गुलाल लगाकर फूल दुबी, बिल्वपत्र चढ़ावे, माला, भांग, धतूरा चढ़ाकर, इत्र लगावें, धूप, दीप, कपूर जलावें, प्रसाद, नारियल, पान चढ़ा कर आरती उतारें। फिर क्षमा प्रार्थना करें।

:- पं. चन्द्रभूषण शुक्ला,
प्रचारक संस्कृत भाषा,

प्रधानमंत्री नारी शक्ति वंदन अभियान :

पीएम मोदी ने स्वसहायता समूह की महिलाओं के साथ वर्चुवल संवाद किया

एजेंसी

राजनांदगांव (वीएनएस)। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा नारी शक्ति वंदन अभियान के तहत पश्चिम बंगाल राज्य से स्वसहायता समूह की महिलाओं के साथ वर्चुवल संवाद किया। जिले के जनपद पंचायत राजनांदगांव अंतर्गत ग्रामीण कार्यक्रम ग्राम पंचायत सुरगी में आयोजित किया गया। इस अवसर पर कोमल सिंह राजपूत, लीलाधर साहू, रोहित चंद्राकर, देव कुमारी साहू, जनपद सदस्य पुष्पा गायकवाड़, सरपंच सुरगी आंनद साहू अन्य जनप्रतिनिधि, अनुविभागीय अधिकारी अतुल विश्वकर्मा, अतिरिक्त सीईओ जिला पंचायत देवेंद्र कौशिक, सीईओ जनपद पंचायत तनुजा मांझी, सहायक परियोजना अधिकारी विजय साहू, विकासखंड परियोजना प्रबंधक सुशील श्रीवास्तव सहित अन्य अधिकारी, कर्मचारी, बड़ी संख्या में स्वसहायता समूह की महिलाएं एवं ग्रामीण उपस्थित थे।

प्रधानमंत्री विश्वकर्मा योजना :

कारीगरों के हुनर को मिल रहा सम्मान

अब तक लगभग 1200 आवेदन स्वीकृत

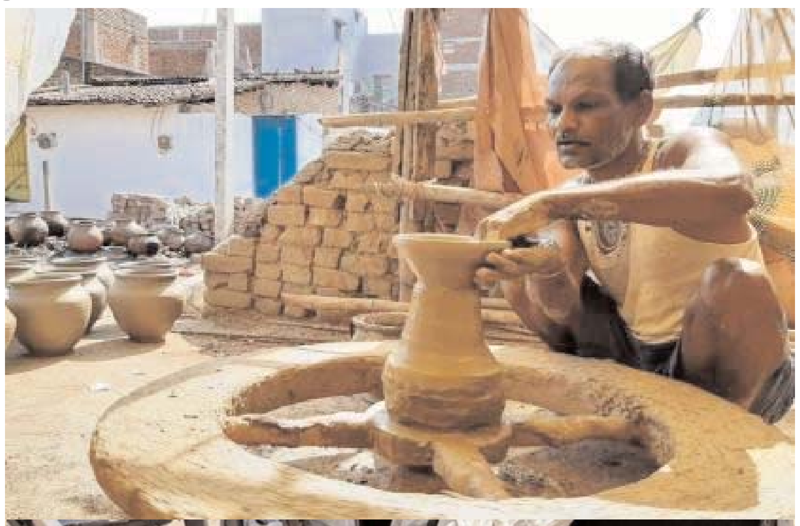

बिलासपुर जिले में प्रधानमंत्री विश्वकर्मा योजना के जरिए परंपरागत कारीगरों को सम्मानित किया जा रहा है। योजना के तहत 18 वर्ष से अधिक आयु के पात्र आवेदकों को आवेदन स्वीकृति के बाद प्रशिक्षण और ट्रेड से संबंधित औजार उपलब्ध कराये जाएंगे। योजना के लिए जिला व्यापार व उद्योग केन्द्र बिलासपुर को नोडल विभाग बनाया गया है।

जिला व्यापार व उद्योग केन्द्र के महाप्रबंधक एम.एल. कुशरे ने बताया कि 17 सितम्बर से प्रधानमंत्री विश्वकर्मा योजना का शुभारंभ हुआ है। विश्वकर्मा योजना के तहत लोहार, बढ़ई, दर्जी, कुम्हार जैसे अन्य 18 प्रकार के परंपरागत कारीगरों को योजना का लाभ दिया जाएगा। इसके लिए 18 वर्ष से अधिक आयु के संबंधित विधा के कारीगर कॉमन सर्विस सेन्टर (सीएससी) के जरिए आवेदन दे सकते हैं। आवेदन की जांच और सत्यापन प्रक्रिया पूरी होने के बाद राज्य स्तर पर स्वीकृत आवेदनकर्ताओं को ट्रेड से संबंधित प्रशिक्षण स्किल इंडिया के तहत दिया जाएगा और ट्रेड से संबंधित टूल किट प्रदान किया जाएगा।

योजना के तहत अब तक जिले में 15 हजार आवेदन आ चुके हैं। जिनमें से 4 हजार आवेदनों को अनुमोदित कर राज्य शासन को भेजा गया है, जिनमें से लगभग 12 सौ आवेदन स्वीकृत किए गए हैं। कुशरे ने बताया कि योजना के तहत पात्र हितग्राहियों को 1 लाख रूपए का ऋण कम ब्याज दर पर देने का भी प्रावधान है।

हुनर के झोला कार्यक्रम के साथ हुआ न्योता भोज का आयोजन

उत्तर बस्तर कांकेर जिले के शासकीय प्राथमिक शाला माटवाड़ालाल पटेलपारा में हुनर के झोला का प्रदर्शन एवं न्योता भोज का आयोजन किया गया। हुनर के झोला नोडल व प्रधान अध्यापक पूर्णिमा गेड़ाम ने बताया कि हुनर का झोला का उद्देश्य गणित एवं विज्ञान विषय को बढ़ावा देने के लिए एवं बच्चों में वैज्ञानिक क्षमता का विकास करना है।

कार्यक्रम में आस-पास के 10 स्कूलों में गणित एवं विज्ञान टीएलएम का निर्माण कर हुनर के झोला कार्यक्रम का भव्य प्रदर्शन किया गया। इस अवसर पर शाला में न्योता भोजन का भी आयोजन किया गया। कार्यक्रम में राज्य परियोजना कार्यालय से राज्य समन्वयक राजकुमार चापेकर, जिला शिक्षा अधिकारी भुवन जैन सहित शाला शाला प्रबंधन समिति के सदस्यगण व विद्यालयों के शिक्षक-शिक्षिकाएं मौजूद थे।

मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय करेंगे हस्तशिल्प एवं हथकरघा प्रदर्शनी का शुभारंभ जगार 2024 का आगाज 10 मार्च को

रायपुर, मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय द्वारा जगार 2024 का 10 मार्च शाम 7 बजे शुभारंभ किया जाएगा। छत्तीसगढ़ हस्तशिल्प विकास बोर्ड के द्वारा प्रतिवर्ष लगाए जाने वाले इस हस्तशिल्प एवं हाथकरघा प्रदर्शनी के शुभारंभ कार्यक्रम की अध्यक्षता उप मुख्यमंत्री श्री अरूण साव करेंगे। जगार 2024 में छत्तीसगढ़ राज्य के सुप्रसिद्ध हस्तशिल्प बेलमेटल शिल्प (ढोकरा), लौह शिल्प, काष्ठ शिल्प, बांस शिल्प, कालीन शिल्प, शिशल शिल्प, गोदना शिल्प, तुमा शिल्प, टेराकोटा शिल्प, छींद-कांसा शिल्प की प्रदर्शनी लगाई जाएगी। हाथकरघा वस्त्रों में कोसा साड़ियाँ, दुपट्टा, सलवार सूट, ड्रेस मटेरियल एवं कॉटन बेडशीट, चादरें, ड्रेस मटेरियल, सर्टिंग एवं विभिन्न प्रकार की खादी रेडीमेड वस्त्रों आदि जगार का मुख्य आकर्षण रहेंगे।

कार्यालय खण्ड चिकित्सा अधिकारी
सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र पाटन
जिला दुर्ग (छ.ग.)

Tell / Fax : 07826 – 273923
Email : bmopatan211@gmail.com

क्रमांक/स्वास्थ्य सेवायें/2024/236
पाटन, दिनांक 04.03.2024

//निविदा सूचना//

सर्वसाधारण को सूचनार्थ प्रकाशित किया जाता है कि विकासखण्ड पाटन जिला–दुर्ग (छ.ग.) अंतर्गत **सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र झीट एवं प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र भिलाई03, बटरेल, गाड़ाडीह, रानीतराई** में प्रसूता महिलाओं एवं सामान्य भर्ती मरीज हेतु भोजन प्रदाय हेतु निविदा आमंत्रित की जाती हैः–

1. सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र झीट में प्रसूता महिलाओं एवं सामान्य भर्ती मरीज हेतु भोजन प्रदाय हेतु निविदाः–
2. प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र भिलाई 03, बटरेल, गाड़ाडीह, रानीतराई में प्रसूता महिलाओं एवं सामान्य भर्ती मरीज हेतु भोजन प्रदाय हेतु निविदाः–

नोटः– सरल क्रमांक 1 में उपरोक्तानुसार इच्छुक पंजीकृत स्व. सहायता समूह से मुहरवंद निविदाएं आमंत्रित की जाती है।
सरल क्रमांक 2 में उपरोक्तानुसार इच्छुक पंजीकृत स्व. सहायता समूह/फर्म से मुहरवंद निविदाएं आमंत्रित की जाती है।

निविदा प्रपत्र एवं अन्य जानकारी निविदा से संवधित संस्था के कार्यालय से कार्यालयीन अवधि में 500/– की नगद राशि जमा कर इस दिनांक 07.03.2024 दिन गुरूवार से प्राप्त की जा सकती है।

1. निविदा प्रपत्र विक्री की अंतिम तिथि :–26.03.2024 को सायं 05 बजे तक
2. निविदा प्रपत्र जमा करने की अंतिम तिथिः–27.03.2024 को अपरांह 02 बजे तक
3. निविदा खोलने की तिथि :–27.03.2024 को अपरांह 03 बजे
4. निविदा खोलने का स्थान :– सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र झीट/ प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र भिलाई 03, बटरेल, गाड़ाडीह, रानीतराई

खण्ड चिकित्सा अधिकारी
सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र पाटन
जिला–दुर्ग (छ.ग.)

G-08303/3

कन्या पोटाकेबिन चिंताकुंटा में लगी आग, 308 छात्राओं को कर्मचारियों ने तत्परतापूर्वक रेस्क्यू कर सुरक्षित स्थान में पहुंचाया

लोकशक्ति ।संवाददाता।

बीजापुर (उसूर ब्लाक के आवापल्ली से कुछ दूर कन्या आवासीय पोटाकेबिन में बुधवार रात लगभग 1 बजे भीषण आग लगने से पोटाकेबिन पूरी तरह आग से पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया। आग लगने की घटना पर ड्युटी में तैनात अनुदेशकों व चौकीदारों ने तत्परतापूर्वक छात्रावास मे अध्ययनरत 308 छात्राओं को रेस्क्यू कर सकुशल सुरक्षित स्थान में पहुंचाया, वहीं बीजापुर के नगरसेना की टीम को सूचना मिलने पर अग्नि शमन के यंत्र के साथ त्वरित घटना स्थल पर पहुँच कर आग बुझाने का कार्य किया गया।

इस दौरान 4 वर्षीय मासूम बच्ची की आग में पूरी तरह जलने से मौत हो गई। कलेक्टर अनुराग पाण्डेय ने मृत बच्ची के माता-पिता से मिलकर संवेदना व्यक्त करते हुए उन्हे ढांढस बंधाया और आरबीसी 6-4 के तहत तत्काल 4 लाख रूपए की मुआवजा राशि मौके पर स्वीकृत करते हुए उनके माता-पिता को शासन के नियमानुसार हर संभव मदद करने की बात कही। पोस्टमार्टम के बाद बच्ची का अंतिम संस्कार करने एवं सुख-दुख की घड़ी में जिला प्रशासन सदैव साथ है कहकर आश्वस्त किया। बच्ची के शव को उनके गांव तक पहुंचाने अंतिम संस्कार हेतु आवश्यक सहयोग राशि प्रदाय करने के लिए मौके पर उपस्थित एसडीएम को निर्देश दिए। उक्त बच्ची के माता-पिता ने बताया कि उनकी बुआ कक्षा आठवी में अध्ययनरत है जिनके साथ पोटाकेबिन में कुछ दिनों के लिए रहने आयी थी।

प्राकृतिक आपदा पीड़ित सभी छात्राओं को 5-5 हजार रुपए की क्षतिपूर्ति के लिए 15 लाख 40 हजार रुपए मौके पर तत्काल स्वीकृत :

आगजनी की घटना में छात्राओं के कापी, पुस्तक, कपड़ा, स्कूल ड्रेस सहित अन्य दस्तावेज जलकर राख हो गए। कलेक्टर सुबह से दोपहर तक मौके पर उपस्थित होकर सभी छात्राओं एवं प्रत्यक्षदर्शियों से घटना की वास्तविक स्थिति का जायजा लेते हुए प्रथम दृष्टया शार्ट सर्किट से आगजनी होना पाया। सभी 308 छात्राओं को कस्तूरबा गांधी आवासीय विद्यालय में शिफ्ट किया गया है। प्रशासन ने सभी छात्राओं से मिलकर उनका मनोबल बढ़ाया छात्राओं ने बताया कि उनके सारे सामान जल गए कलेक्टर ने प्रत्येक छात्रा को 5 हजार रुपए क्षतिपूर्ति की राशि स्वीकृत कर कपड़े एवं अन्य दैनिक उपयोगी सामान लेने को कहा। इस हेतु तत्काल मौके पर 15 लाख 40 हजार रूपए की स्वीकृति प्रदान की गई। वहीं इस दुखद दुर्घटना से उबरने के लिए जिनको माता-पिता घर ले जाना चाहते हैं उनको घर पहुंचाने के लिए आवश्यक व्यवस्था करने को कहा और तत्काल ढाई-ढाई हजार रूपए प्रदाय करने के निर्देश दिए। ज्ञात हो कि पालकों ने घटना को सुनकर अपने बच्चों से मिलने आए हुए थे और कुछ दिनों के लिए अपने बच्चों को ले जाना चाह रहे थे।

संक्षिप्त खबरें...

आपसी विवाद पर पति ने पत्नी के गले में घोंप दी कैंची,हुई मौत

रायपुर। जिले से सटे हुए खरोरा में एक व्यक्ति ने अपनी पत्नी की कैंची से मारकर हत्या कर दी। आरोपी पति ने गुस्से में अपनी पत्नी के गले में कैंची से हमला कर दिया जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई। पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है।

मिली जानकारी के अनुसार खरोरा थानाक्षेत्र के ग्राम केसला शांति नगर वार्ड नंबर 20 में रहने वाले यज्ञबल देवांगन की उसकी तीजन बाई देवांगन उम्र 34 वर्ष के साथ कपड़ा धोने की बात पर विवाद हो गया और पति ने पत्नी के गले में कैंची घोप दिया। जिसके बाद गंभीर रूप से घायल तीजन बाई को इलाज के लिए तत्काल शासकीय अस्पताल खरोरा में भर्ती कराया था इसका इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई है। मामले में पुलिस ने आरोपी पति को हत्या के आरोप में गिरफ्तार कर लिया है।

बताया जाता है कि दोनों पति-पत्नी के बीच आये दिन छोटी-छोटी बात को लेकर विवाद होता रहता था। गुरूवार सुबह पति ने पत्नी को कपड़े धोने के लिए कहा तो मृतिका तीजन बाई बोली कि मैं कपड़ा धोने यहां नहीं आई हूं जिसको कपड़ा धोना हो धोले। इसी बात को लेकर पति ने घर में रखे कैंची से उसके गले में मरने से कैंची गले में धस गया है। मृतका तीजन बाई इसकी दूसरी पत्नी थी।

भाजपा नेता की गला काटकर हत्या

बीजापुर-रायपुर, (आरएनएस)। छत्तीसगढ़ के बीजापुर जिले में नक्सलियों ने एक बार फिर से एक भाजपा नेता की गला काटकर हत्या कर दी है। हत्या के बाद शव को भूरीपानी और कोकमेंटा के बीच फेंक दिया। पुलिस ने मर्ग कायम कर मामला जांच में लिया है।

मिली जानकारी के अनुसार मृतक कैलाश नाग जांगला के निवासी थे। भाजपा में व्यापारी प्रकोष्ठ के मंडल उपाध्यक्ष के पद पर कार्यरत रहे। बीजापुर एसपी जितेंद्र यादव ने कहा कि नक्सली घटना हुई है। मृतक भाजपा का कार्यकर्ता है। घटना की पूरी जानकारी ली जा रही है।

बता दें कि पिछले हफ्ते ही जिला मुख्यालय से लगभग 20 किमी दूर तोयनार थाना क्षेत्र में नक्सलियों ने जनपद सदस्य व भाजपा के सहकारिता प्रकोष्ठ समिति के संयोजक तिरूपति कटला हत्या कर दी थी। तिरूपति कटला शुक्रवार को तोयनार गांव में शादी समारोह में सम्मिलित होने गए थे। रात करीब नौ बजे समारोह स्थल से बाहर निकलते ही नक्सलियों की स्माल एक्शन टीम के चार लोग ग्रामीण वेशभूषा में आए और चाकू से गर्दन और सीने पर वार कर वहां से भाग गए। आसपास उपस्थित लोग घायल अवस्था में तिरुपति को जिला अस्पताल लेकर पहुंचे, जहां चिकित्सकों ने मृत घोषित किया था। केन्द्रीय चुनाव समिति की बैठक में शामिल होने पीसीसी प्रमुख दिल्ली रवाना

लोस चुनाव प्रत्याशी चयन के लिए आज शाम होगी बैठक

रायपुर,। कांग्रेस की केंद्रीय चुनाव समिति की बैठक में शामिल होने के लिए पीसीसी चीफ दीपक बैज दिल्ली रवाना हो गए हैं। इससे पहले एयरपोर्ट पर उन्होंने मीडिया से चर्चा की. बैठक को लेकर उन्होंने बताया कि आज शाम को दिल्ली में बैठक है. छत्तीसगढ़ की सभी 11 लोकसभा सीटों पर नाम तय हो जाएंगे. जिसमें पुराने और नए चेहरों का समावेश होगा. वहीं बड़े नेताओं का भी नाम सूची में रहेगा.

मुख्यमंत्री साय की अध्यक्षता में मंत्रालय महानदी भवन में मंत्रिपरिषद की बैठक आयोजित

मंत्री परिषद की बैठक में लिए गए महत्वपूर्ण निर्णय

रायपुर। सार्वजनिक वितरण प्रणाली के तहत अंत्योदय एवं प्राथमिकता राशनकार्डधारियों को अप्रैल 2024 से मार्च 2025 तक आवश्यक शक्कर वितरण के लिए राज्य के सहकारी शक्कर कारखानों से शक्कर क्रय करने का निर्णय लिया गया। छत्तीसगढ़ राज्य में आतंकवाद, नक्सलवाद, वामपंथी उग्रवादी जैसे विशेष मामलों, प्रकरणों में त्वरित एवं प्रभावी अनुसंधान एवं अभियोजन के लिए राज्य इनवेस्टिगेशन एजेंसी (एस.आई.ए.) के गठन का निर्णय लिया गया। यह एजेंसी राष्ट्रीय इनवेस्टिगेशन एजेंसी (एन.आई.ए.) के साथ समन्वय के लिए राज्य के नोडल एजेंसी के रूप में कार्य करेगी। इसके लिए एक पुलिस अधीक्षक सहित कुल 74 नवीन पदों का निर्माण किया गया है।

छत्तीसगढ़ सर्वविभागीय संविदा कर्मचारी महासंघ एवं छत्तीसगढ़ मनरेगा कर्मचारी महासंघ द्वारा की गई मांग को ध्यान में रखते हुए छत्तीसगढ़ सिविल सेवा (संविदा नियुक्ति) नियम 2012 के नियम 13 (1) में आंशिक संशोधन किया गया, जिसके तहत संविदा पर नियुक्त कर्मचारी को 18 दिनों के आकस्मिक अवकाश के स्थान पर 30 दिनों के आकस्मिक अवकाश की पात्रता होगी।

अनुकम्पा नियुक्तियों के आवेदकों के हितों को ध्यान में रखते हुए यह निर्णय लिया गया कि कलेक्टर कार्यालय में अग्रेषित होकर आवेदन प्राप्त होने पर जिला कलेक्टर द्वारा जिले में अधीनस्थ कार्यालयों में अनुकम्पा नियुक्ति हेतु रिक्त पदों पर अनुकम्पा नियुक्ति प्रदान करने की कार्यवाही की जाएगी। जिले में किसी भी कार्यालय में अनुकम्पा नियुक्ति के रिक्त पद उपलब्ध न होने पर आवेदन संभागीय आयुक्त कार्यालय में प्रेषित किया जाएगा। संभागीय आयुक्त अपने अधीनस्थ जिले जहां पर पद रिक्त होंगे उस जिले के कलेक्टर को प्रकरण अग्रेषित करेंगे। निर्धारित समय सीमा के भीतर अनुकम्पा नियुक्ति के प्रकरणों का निराकरण कलेक्टर और संभाग आयुक्त द्वारा किया जाएगा।

छत्तीसगढ़ राज्य के उच्च शिक्षा विभाग में ''राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020'' को लागू करने का निर्णय लिया गया।

राज्य में राष्ट्रीय शिक्षा नीति लागू किए जाने से युवाओं में तार्किक क्षमता के संवर्धन के साथ ही उनका सर्वांगींण विकास होगा। राष्ट्रीय शिक्षा नीति में एकाधिक प्रवेश एवं एकाधिक निकास की सुविधा होने से युवाओं को परिस्थिति एवं आवश्यकतानुसार उच्च शिक्षा प्राप्त करने का विकल्प मिलेगा। ग्रेड आधारित निरंतर मूल्यांकन और आंतरिक मूल्यांकन होने से विद्यार्थियों को अंतिम परीक्षा के तनाव से मुक्ति मिलेगी। उच्च शिक्षा में सूचना प्रौद्योगिकी के व्यापक विस्तार से प्रदेश के युवाओं की पहुंच वैश्विक स्तर तक हो जाएगी। केन्द्र सरकार द्वारा केन्द्रीय योजना आयोग के स्थान पर नीति आयोग का गठन किया गया है। इसी तर्ज पर राज्य योजना आयोग छत्तीसगढ़ का नाम परिवर्तन कर राज्य नीति आयोग छत्तीसगढ़ करने का निर्णय लिया गया।

छत्तीसगढ़ सरकार द्वारा वर्ष 2024-25 का वार्षिक बजट प्रस्तुत करते समय छत्तीसगढ़ की वर्तमान जीएसडीपी 5 लाख करोड़ को आगामी 5 सालों में 10 लाख करोड़ करने का लक्ष्य रखा गया है। इसके लिए 10 आधारभूत रणनीतिक स्तम्भों पर भी फोकस किया गया है। आर्थिक विकास की गति को बढ़ाने के लिए विशेषज्ञ संस्थाओं से परामर्श करने तथा देश और दुनिया में चल रहे बेस्ट प्रैक्टिस को छत्तीसगढ़ की स्थानीय परिस्थितियों के अनुरूप लागू करने के लिए छत्तीसगढ़ आर्थिक सलाहकार परिषद का गठन करने का निर्णय लिया गया। बुधवार को मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय की अध्यक्षता में मंत्रालय महानदी भवन में मंत्रिपरिषद की बैठक आयोजित हुई। बैठक निम्नलिखित महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए। कैबिनेट की बैठक में प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी की एक और गारंटी को पूरा करते हुए राज्य के किसानों के हित में एक बड़ा फैसला लेते हुए खरीफ 2023-24 से ''कृषक उन्नति योजना'' लागू करने का निर्णय लिया गया।

राज्य के किसानों की आय, फसल उत्पादन एवं उत्पादकता को बढ़ाने तथा फसल की कास्त लागत में कमी करने के उद्देश्य से यह योजना लागू की गई है। विकेन्द्रीकृत चांवल उपार्जन के लिए भारत सरकार से हुए एमओयू को ध्यान में रखते हुए राज्य सरकार द्वारा कृषक उन्नति योजना शुरू की जा रही है। मंत्रिपरिषद द्वारा यह निर्णय लिया गया कि कृषक उन्नति योजना के क्रियान्वयन संबंधी प्रस्ताव अनुसार खरीफ वर्ष 2023 में धान खरीदी के आधार पर किसानों को प्रति एकड़ 19,257 रूपए के मान से आदान सहायता राशि प्रदाय की जाएगी एवं तदानुसार अनुषांगिक कार्यवाही करने हेतु विभाग को अधिकृत किया जाएगा।

मंत्रिपरिषद की बैठक में लोकतंत्र सेनानियों (मीसाबंदियों) की सम्मान निधि को फिर से प्रारंभ करने और बकाया राशि प्रदान करने का महत्वपूर्ण निर्णय लिया गया। प्रदेश में 2018 की स्थिति में 430 लोकतंत्र सेनानियों/आश्रितों को प्रतिवर्ष करीब 9 करोड़ रूपए की सम्मान राशि प्रदान की जाती थी।

गर्ल्स हॉस्टल पोटा केबिन में लगी भीषण आग,पूरा भवन हुआ खाक

बीजापुर। बस्तर संभाग के बीजापुर जिले में फिर बड़ा हादसा हो गया। वहां स्थित आवासीय गर्ल्स हॉस्टल पोटा केबिन में बीती देर रात भीषण आग लग गई। उस समय सभी छात्राएं सो रही थीं, जो आग की तपिश महसूस होते ही जाग गईं और उन्होंने भागकर जान बचाई। आग से पूरा हॉस्टल और छात्राओं का सामान जलकर खाक हो गया है।

मिली जानकारी के अनुसार आवसीय पोटा केबिन में 350 छात्राएं रहकर पढ़ाई करती हैं। बुधवार 7 मार्च की देर रात ये छात्राएं भोजन करने और कुछ देर तक कोर्स की किताबों का अध्ययन एवं होम वर्क पूरा करने के बाद अपने अपने बेड पर सोने चली गईं। जब ये छात्राएं गहरी नींद में थीं, तभी हॉस्टल पोटा केबिन में आग लग गई। आग तेजी से पूरे भवन में फैल गई। आग की तपन महसूस होने पर कुछ छात्राओं की नींद खुल गई। आग की लपटें देखकर उन छात्राओं ने चीख पुकार मचाना शुरू कर दिया। शोर सुनकर सभी छात्राएं उठ गईं और उन्होंने भागकर अपनी जान बचाई। सभी छात्राएं हॉस्टल से बाहर निकलकर सुरक्षित दूरी पर चली गईं और मदद के लिए शोर मचाने लगीं। उनकी आवाज सुनकर हॉस्टल के कर्मचारी और आसपास रहने वाले ग्रामीण मौके पर पहुंच गए। सभी ने यहां वहां से पानी लाकर आग बुझाने की कोशिश की, मगर आग इतनी तीव्र थी कि कर्मचारी और ग्रामीण भी कुछ नहीं कर पाए। आग ने पूरी पोटा केबिन को जद में ले लिया और पूरी तरह से खाक कर दिया। बाद में सभी छात्राओं को रेस्क्यू कर जीबीवी केबिन में शिफ्ट किया गया। पूरी पोटा केबिन जलकर खाक हो गई है। वहीं वहां रहकर अध्यनरत लिपाक्षी नामक छात्रा के लापता होने की खबर है। यह पोटा केबिन बीजापुर जिले के आवापल्ली थानाक्षेत्र अंतर्गत चिंताकोंटा में स्थित है और आदिम जाति कल्याण एवं विकास विभाग द्वारा संचालित है। यहां रहने वाली छात्राएं अनुसूचित जाति जनजाति वर्ग की हैं। वहीं दूसरी ओर लापता छात्रा लिपक्षी की खोजबीन की जा रही है।

जिले के 21 युवाओं का अग्निवीर के लिए हुआ चयन

चयनित युवाओं में दिखा देशभक्ति का जज्बा

भारतीय सेना में अग्निवीर भर्ती के लिए ऑनलाइन आवेदन पोर्टल में पंजीयन की अंतिम तिथि 24 मार्च रायपुर जिले के 2 हजार युवाओं के पंजीयन का लक्ष्य

रायपुर । भारतीय सेना में अग्निवीर भर्ती के लिए युवाओं में अपार उत्साह है। वर्ष 2023 के अग्निवीर भर्ती के परिणाम हाल ही में घोषित किए गए है। जिसमें रायपुर जिले के 21 युवाओं का चयन किया गया है। चयनित युवाओं को जिला प्रशासन द्वारा सम्मानित भी किया गया। चयनित युवाओं को स्कूलों व ग्राम पंचायतों में पहुंचकर युवाओं को उत्साह वर्धन करने और अधिक से अधिक युवाओं को ऑनलाईन पोर्टल में भर्ती के लिए फॉर्म जमा कराने का आग्रह किया। गौरतलब है कि जिला प्रशासन द्वारा जिले के युवाओं को जांजगीर-चांपा में हुए भर्ती प्रक्रिया के लिए बस सुविधा उपलब्ध कराई गई थी। साथ ही मार्गदर्शन भी दिया गया था। और उन्हें भर्ती संबंधित पूरी जानकारी प्रदान की गई थी। रायपुर जिले के तिल्दा तहसील के ग्राम चांपा निवासी 20 वर्षीय प्रशांत वर्मा का भारतीय थल के अग्निवीर के लिए चयनित किया गया है। प्रशांत ने कम उम्र में ही अग्निवीर भर्ती में सफलता हासिल कर ली है। वे बताते हैं कि लगभग दो साल से वे अग्निवीर भर्ती के लिए तैयारी कर रहे थे। उन्हें गांव के लोग ही भर्ती में शामिल होने के लिए हौंसला देते थे और प्रेरित करते थे। साथ ही उन्हें लंबे समय से फौज में भर्ती होकर देश सेवा का जुनून था। परिवार के लोगों को भी प्रशांत से काफी उम्मीद थी और कड़ी मेहनत एवं लगन की वजह से प्रशांत को सफलता मिली। तिल्दा ब्लॉक के ग्राम सरफोंगा निवासी सुनील निषाद का भी चयन अग्निवीर भर्ती में भारतीय थल सेना में चयन हुआ है। श्री सुनील बताते हैं कि वे लंबे समय से सेना में भर्ती के लिए काफी मेहनत कर रहे थे। गांव में ही दिन-रात फिजिकल टेस्ट के लिए अभ्यास करते थे और साथ ही निजी संस्था से मार्गदर्शन भी प्राप्त कर रहे थे। चयनित युवाओं और उनके परिवार में काफी हर्ष का माहौल है। प्रशांत और सुनील ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को धन्यवाद दिया। थल सेना में अग्निवीर के लिए आवेदन ऑनलाइन पोर्टल के माध्यम से आमंत्रित किए गए है। युवाओं के लिए आवेदन करने की अंतिम तिथि 22 मार्च तक है। शासन द्वारा रायपुर जिले के लिए 2 हजार युवाओं का पंजीयन कराने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है।

स्वामी,मुद्रक,प्रकाशक प्रेमेन्द्र अग्रवाल द्वारा अस्मा पब्लिशर्स इण्डिया प्राईवेट लि.,जयस्तंभ चौक, रायपुर से मुद्रित कर तथा 5/756 रामसागरपारा, सिंधी स्कूल के पीछे, स्टेशनरी हाऊस, रायपुर 492001 (छ.ग.) से प्रकाशित। संपादक प्रेमेन्द्र अग्रवाल ।
www.lokshakti.in, lokshaktidaily@gmail.com, twitter.com/lokshaktidaily, facebook.com/lokshaktidaily कार्यकारी संपादक : राजेश अग्रवाल (किसी भी विवाद पर न्यायालय क्षेत्र रायपुर होगा)